

दक्ष®

Target Exam.
2024-25

R
S
S
B

A Complete Guide for

पटवार

भर्ती परीक्षा



VOLUME-2

सामान्य अंग्रेजी
सामान्य हिन्दी

मानसिक योग्यता एवं तर्कशक्ति
बुनियादी संख्यात्मक दक्षता

बेसिक कम्प्यूटर

- **23 अक्टूबर 2021** (Second Shift) का प्रश्न-पत्र सम्पूर्ण हल एवं व्याख्या सहित
- राजस्थान में हुई पटवार की विगत प्रतियोगी परीक्षाओं के पाँच प्रश्न-पत्रों का व्याख्या सहित अध्यायवार समावेश
- पाठ्यक्रम में शामिल प्रत्येक बिन्दु पर आधारित प्रश्नों का महत्त्व के अनुसार समावेश

Buy Online at :

WWW.DAKSHBOOKS.COM

Daksh
Books

दक्ष®

23 अक्टूबर 2021 का प्रश्न-पत्र
सम्पूर्ण हल एवं व्याख्या सहित
SHIFT-II

A Complete Guide for



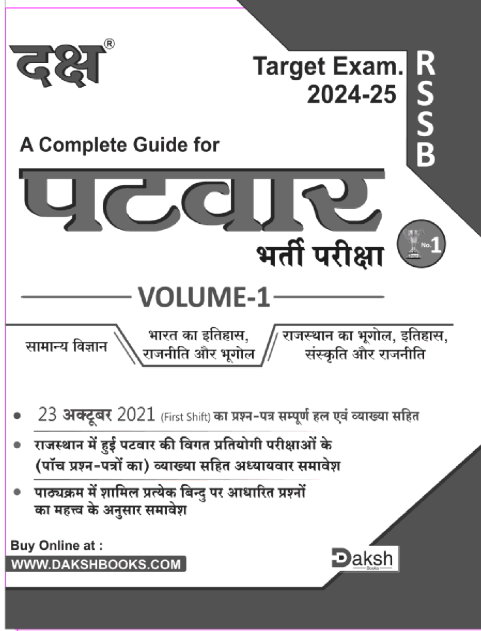
RSSB

VOLUME-2

पटवार

सीधी भर्ती परीक्षा

Patwar में इन पुस्तकों का अध्ययन करें और सफलता सुनिश्चित करें।



लेखकगण

प्रो. बी.के. रस्तोगी

आचार्य संदीप मालाकार

पवन शर्मा

मनीषा यादव

NET, साहित्याचार्य, शिक्षा शास्त्री

विशेषज्ञ : कम्प्यूटर

दक्ष प्रकाशन

(A Unit of College Book Centre)

प्रकाशक :

परितोष वर्धन जैन

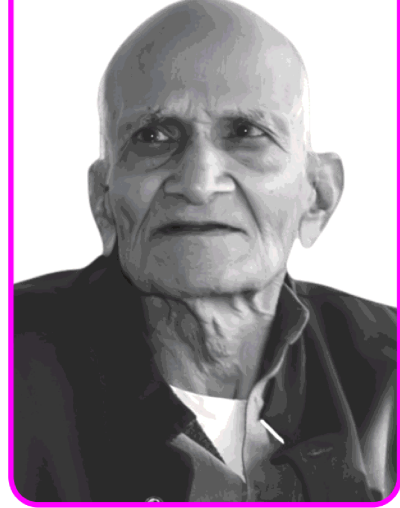
कॉलेज बुक सेन्टर

- A-19, सेठी कॉलोनी, जयपुर-302 004

© सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन



सादर समर्पण



स्व. बनवारी स्वरूप जैन 'बाऊजी'
लेखक एवं प्रकाशक, जयपुर

लेजर टाईपसेटिंग :



पूजा एण्टरप्राइजेज़

जयपुर

मुद्रक :

के.डी. प्रिन्टर्स

जयपुर।

Code No.: D-775

- प्रकाशक की अनुमति के बिना इस पुस्तक के किसी भी अंश का किसी भी प्रणाली के सहारे पुनःउत्पत्ति का प्रयास अथवा किसी भी तकनीकी तरीके (इलेक्ट्रॉनिक, मैकेनिकल, फॉटोकॉपी, रिकॉर्डिंग, डिजिटल, वेब) के माध्यम से अथवा इस पुस्तक का नाम, टाइटल, चित्र, रेखाचित्र, नक्शे, डिजाईन, कवर डिजाईन, सैटिंग, शिक्षण-सामग्री, विषय-वस्तु, पूर्ण या आंशिक रूप से किसी भी भाषा में हबहू या तोड़-मरोड़ कर या अदल-बदल कर प्रकाशन या वितरण नहीं किया जा सकता है। इस पुस्तक के प्रतिलिप्याधिकार प्रकाशक के पास सुरक्षित हैं।
- पुस्तक का कम्पोजिंग कार्य कम्प्यूटर द्वारा कराया गया है। पुस्तक के लेखन व प्रकाशन कार्य में लेखक, प्रूफ रीडर, कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरतने के बावजूद भी अधूरी या पुरानी जानकारी का होना/कुछ गलतियों/कमियों का रह जाना मानवीय भूलवश सम्भव है, जिसके लिए पुस्तक प्रकाशन से जुड़े मुद्रक, लेखक एवं प्रकाशक उत्तरदायी नहीं होंगे। पाठकों के सुझाव सादर आमंत्रित हैं।
- सभी विवादों का न्यायक्षेत्र जयपुर (राज.) होगा।

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर द्वारा आयोजित

पटवार सीधी भर्ती परीक्षा

परीक्षा की स्कीम एवं विस्तृत पाठ्यक्रम

Scheme of Examination: The examination shall include one paper of 3 hours duration covering the following subjects:-

Subject	Approx Weightage	Number of Questions	Total Marks
General Science; History, Polity and Geography of India, General Knowledge, Current affairs	25	38	76
Geography, History, Culture, and Polity of Rajasthan	20	30	60
General English & Hindi	15	22	44
Mental ability and Reasoning, Basic Numerical efficiency	30	45	90
Basic Computer	10	15	30
Total	100	150	300

Note:

- The marks obtained by a candidate in examination will be counted for determining their order of merit.
- The examination will contain multiple choice, objective type questions. There shall be negative marking. 1/3 mark shall be deducted for each wrong answer.

Syllabus

1. General Science; History, Polity and Geography of India, General Knowledge, Current affairs

- विज्ञान के सामान्य आधारभूत तत्व एवं दैनिक विज्ञान, मानव शरीर, आहार एवं पोषण, स्वास्थ्य देखभाल
- प्राचीन एवं मध्यकालीन भारत के इतिहास की प्रमुख विशेषताएँ एवं महत्वपूर्ण ऐतिहासिक (18वीं शताब्दी के मध्य से वर्तमान तक) घटनाएँ
- भारतीय संविधान, राजनीतिक व्यवस्था एवं शासन प्रणाली, संवैधानिक विकास
- भारत की भौगोलिक विशेषताएँ, पर्यावरणीय एवं पारिस्थितिकीय परिवर्तन एवं इनके प्रभाव
- समसामयिक राष्ट्रीय घटनाएँ

2. Geography, History, Culture and Polity of Rajasthan

- राजस्थान के इतिहास की महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाएँ
- राजस्थान की प्रशासनिक व्यवस्था : राज्यपाल, राज्य विधान सभा, उच्च न्यायालय, राजस्थान लोक सेवा आयोग, जिला प्रशासन, राज्य मानवाधिकार आयोग, राज्य निर्वाचन आयोग, लोकायुक्त, राज्य सूचना आयोग, लोक नीति
- सामाजिक-सांस्कृतिक मुद्दे।
- स्वतन्त्रता आन्दोलन, जन-जागरण एवं राजनीतिक एकीकरण।
- लोक कलाएँ, चित्रकलाएँ और हस्तशिल्प एवं स्थापत्य।
- मेले, त्योहार, लोकसंगीत एवं लोकनृत्य।
- राजस्थानी संस्कृति एवं विरासत, साहित्य।

- राजस्थान के धार्मिक आन्दोलन, सन्त एवं लोकदेवता।
- महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल।
- राजस्थान के प्रमुख व्यक्तित्व।

3. General English & Hindi

(i) सामान्य हिन्दी:

- दिये गये शब्दों की संधि एवं शब्दों का संधि-विच्छेद।
- उपसर्ग एवं प्रत्यय-इनके संयोग से शब्द-संरचना तथा शब्दों से उपसर्ग एवं प्रत्यय को पृथक करना, इनकी पहचान।
- समस्त (सामासिक) पद की रचना करना, समस्त (सामासिक) पद का विग्रह करना।
- शब्द युग्मों का अर्थ भेद।
- पर्यायवाची शब्द और विलोम शब्द।
- शब्द शुद्धि-दिये गये अशुद्ध शब्दों को शुद्ध लिखना।
- वाक्य शुद्धि-वर्तनी संबंधी अशुद्धियों को छोड़कर वाक्य संबंधी अन्य व्याकरणिय अशुद्धियों का शुद्धीकरण।
- वाक्यांश के लिये एक उपयुक्त शब्द।
- पारिभाषिक शब्दावली-प्रशासन से सम्बन्धित अंग्रेजी शब्दों के समकक्ष हिन्दी शब्द।
- मुहावरे एवं लोकोक्ति।

(ii) General English

- Comprehension of unseen passage.
- Correction of Common errors; Correct usage.
- Synonym / antonym.
- Phrases and Idioms

4. Mental Ability and Reasoning, Basic Numerical Efficiency

- Making Series/Analogy.
- Figure Matrix Questions, Classification.
- Alphabet Test.
- Passage and Conclusions.
- Blood Relations.
- Coding-decoding
- Direction Sense Test.
- Sitting Arrangement.
- Input-Output.
- Number Ranking and Time Square.
- Making Judgements.
- Logical arrangement of words.
- Inserting the missing Character/number.
- Mathematical Operations, Average, Ratio.
- Area and Volume.
- Percent.
- Simple and Compound Interest.
- Unitary Method.
- Profit & Loss.

5. Basic Computer

- Characteristics of Computers
- Computer Organization Including RAM, ROM, File System, Input Devices, Computer Software – Relationship between Hardware & Software.
- Operating System
- MS-Office (Exposure of word, Excel/Spread Sheet, Power Point)

अनुक्रमणिका

अध्याय नं. अध्याय/विषय का नाम पृष्ठ संख्या

❖ पटवारी भर्ती परीक्षा • सॉल्वड पेपर-104-B [23-10-2021] P-17-P-32

Volume-2

सामान्य अंग्रेजी [General English]

1-48

1 Comprehension (Unseen Passage)

[अपठित गद्यांश]	1
Objective Type Questions with Answers	1
Objective Type Questions with Answers	3
Objective Type Questions with Answers	3
Objective Type Questions with Answers	4
Objective Type Questions with Answers	5
Objective Type Questions with Answers	6
Objective Type Questions with Answers	6
Objective Type Questions with Answers	7
Objective Type Questions with Answers	7
Objective Type Questions with Answers	8

2 Correction of Common Errors; Correct usage

[सामान्य अशुद्धियाँ]	9
I. Errors in the use of Nouns	9
II. Errors in the use of Pronouns	11
III. Errors in the use of Adjectives	12
IV. Errors in the use of Adverbs	14
V. Errors in the use of Verbs	14
VI. Errors in the use of Tenses	15
VII. Errors in the use of Sequence of Tenses	15
VIII. Errors in the use of 'Shall' and 'Will'	16
IX. Errors in the use of Agreement of the Verb with the Subject (कर्ता के अनुसार क्रिया का मेल)	16
X. Common Errors in the use of Conjunctions	16
❖ Questions asked in the Previous Patwar / RSSB Examinations	17

3 Synonyms

[समानार्थक शब्द]	20
❖ Questions asked in the Previous Patwar / RSSB Examinations	25

4 Antonyms

[प्रतिलोम (विपरीतार्थक) शब्द]	27
❖ Questions asked in the Previous Patwar / RSSB Examinations	35

अध्याय नं. अध्याय/विषय का नाम पृष्ठ संख्या

5 Phrases and Idioms 37

[मुहावरे एवं वाक्यांश] 37

❖ Questions asked in the Previous Patwar / RSSB Examinations 43

सामान्य हिन्दी [General Hindi] 1-128

1 सन्धि व संधि विच्छेद 1

1. स्वर संधि 1

स्वर संधि हेतु महत्त्वपूर्ण परीक्षोपयोगी उदाहरण तालिका 7

2. व्यंजन संधि 10

व्यंजन-संधि हेतु परीक्षोपयोगी उदाहरण 15

3. विसर्ग संधि 16

विसर्ग-संधि के परीक्षोपयोगी महत्त्वपूर्ण उदाहरण 17

❖ Patwar / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 18

2 उपसर्ग 21

(उपसर्ग के संयोग से शब्द संरचना, उपसर्ग की पहचान, शब्दों से उपसर्ग को पृथक करना)

❖ उपसर्ग तालिका - तत्सम (संस्कृत) उपसर्ग 21

❖ हिन्दी के उपसर्ग या उपसर्ग की तरह प्रयुक्त अव्यय (तद्भव उपसर्ग) 24

❖ अंग्रेजी भाषा के महत्त्वपूर्ण उपसर्ग 26

❖ 'उर्दू' उपसर्ग एवं 'अरबी' व 'फारसी' भाषाओं से आए हुए उपसर्ग 26

❖ Patwar / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 27

3 प्रत्यय 29

(प्रत्यय के संयोग से शब्द संरचना, प्रत्यय की पहचान, शब्दों से प्रत्यय को पृथक करना)

❖ कृत् प्रत्यय 29

❖ तद्धित प्रत्यय 30

❖ हिन्दी भाषा के तद्धित प्रत्ययों के महत्त्वपूर्ण परीक्षोपयोगी उदाहरण 33

❖ Patwar / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर 35

4 समास 37

(समस्त (सामासिक) पद की रचना करना, समस्त (सामासिक) पद का विग्रह करना)

1. अव्ययीभाव समास 37

2. तत्पुरुष समास 38

3. कर्मधारय समास 40

4. द्विगु समास 40

5. द्वंद्व समास 41

6. बहुव्रीहि समास 41

❖ 'समास' हेतु महत्त्वपूर्ण परीक्षोपयोगी तालिका 42

❖ तत्पुरुष समास के महत्त्वपूर्ण परीक्षोपयोगी उदाहरण 42

❖ कर्मधारय समास के महत्त्वपूर्ण परीक्षोपयोगी उदाहरण 44

अध्याय नं.	अध्याय/विषय का नाम	पृष्ठ संख्या
❖	द्विगु समास के महत्त्वपूर्ण परीक्षोपयोगी उदाहरण	44
❖	उपपद तत्पुरुष के महत्त्वपूर्ण परीक्षोपयोगी उदाहरण	45
❖	नञ् तत्पुरुष के महत्त्वपूर्ण परीक्षोपयोगी उदाहरण	45
❖	द्वन्द्व समास के महत्त्वपूर्ण परीक्षोपयोगी उदाहरण	45
❖	बहुव्रीहि समास के महत्त्वपूर्ण परीक्षोपयोगी उदाहरण	45
❖	Patwar / RSBK की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	46
5	शब्द युग्म	49
	(शब्द युग्मों का अर्थ भेद)	
❖	Patwar / RSBK की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	52
6	पर्यायवाची	54
❖	महत्त्वपूर्ण पर्यायवाची शब्दों के परीक्षोपयोगी उदाहरण	54
❖	Patwar / RSBK की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	59
7	विलोम शब्द	61
❖	उपसर्ग जोड़कर बनने वाले विलोम शब्द	61
❖	विलोम शब्द तालिका	61
❖	Patwar / RSBK की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	65
8	शब्द शुद्धि	68
	(दिये गये अशुद्ध शब्दों को शुद्ध लिखना)	
❖	शब्दगत अशुद्धियों की महत्त्वपूर्ण परीक्षोपयोगी तालिका	72
❖	Patwar / RSBK की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	74
9	वाक्य शुद्धि	76
	(वर्तनी संबंधी अशुद्धियों को छोड़कर वाक्य संबंधी अन्य व्याकरणिय अशुद्धियों का शुद्धीकरण युग्मों का अर्थ भेद)	
❖	वाक्य का रूपांतरण	82
❖	वाक्यगत अशुद्धि के भेद	84
❖	अशुद्ध वाक्यों का शुद्धीकरण और वाक्यगत अशुद्धियों का कारण	84
❖	Patwar / RSBK की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	89
10	वाक्यांश के लिये एक उपयुक्त शब्द	91
❖	Patwar / RSBK की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	97
11	पारिभाषिक शब्दावली	100
	(प्रशासन से सम्बन्धित अंग्रेजी शब्दों के समकक्ष हिन्दी शब्द)	
❖	पारिभाषिक शब्दावली (अंग्रेजी शब्दों के समकक्ष हिन्दी शब्द)	100
	1. प्रशासन में सामान्य प्रयुक्त अभिव्यक्तियाँ	106
	2. हिन्दी और अंग्रेजी में प्रयुक्त समान शब्द	106
	3. कार्यालयों में सामान्यतः नित्य प्रयुक्त वाक्यांश	106
	4. न्यायालय में प्रयुक्त शब्द और वाक्यांश	107

अध्याय नं.	अध्याय/विषय का नाम	पृष्ठ संख्या
	5. प्रमुख सरकारी पद एवं विभाग	107
❖	संक्षेपाक्षर (Abbreviation)	108
❖	Patwar / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	108
12	मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ	112
❖	मुहावरे का महत्त्व	112
❖	मुहावरों के अर्थ और उनके महत्त्वपूर्ण वाक्य प्रयोग	112
❖	मुहावरा, लोकोक्ति अथवा कहावत में अन्तर	112
❖	Patwar / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	117
❖	लोकोक्तियाँ	120
❖	लोकोक्तियों के अर्थ और उनके महत्त्वपूर्ण वाक्य प्रयोग	120
❖	Patwar / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	125

मानसिक योग्यता एवं तर्कशक्ति [Mental Ability and Reasoning]

1-128

1	सादृश्यता [Analogy]	1
❖	Patwar / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	3
2	शृंखला/श्रेणीक्रम [Series]	13
❖	Patwar / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	15
3	आकृति मैट्रिक्स [Figure Matrix]	21
❖	Patwar / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	21
4	वर्गीकरण (असमानता) [Classification]	25
❖	Patwar / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	27
5	वर्णमाला परीक्षण [Alphabet Test]	38
❖	Patwar / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	39
6	परिच्छेद एवं निष्कर्ष [Passage and Conclusion]	43
❖	Patwar / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	43
7	रक्त सम्बन्ध [Blood Relation]	48
❖	Patwar / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	50

अध्याय नं. अध्याय/विषय का नाम पृष्ठ संख्या

8	कोडिंग एवं डिकोडिंग [Coding and Decoding].....	60
	❖ Patwar / RSBK की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	62
9	दिशा बोध परीक्षण [Direction Sense Test]	73
	❖ Patwar / RSBK की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	75
10	बैठक व्यवस्थीकरण [Sitting Arrangement]	85
	❖ Patwar / RSBK की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	85
11	इनपुट-आउटपुट [Input Output]	97
	❖ Patwar / RSBK की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	100
12	संख्या रैंकिंग एवं समय-अनुक्रम [Number Ranking and Time Square]	106
	❖ Patwar / RSBK की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	106
13	न्याय निगमन [Judgement]	109
	❖ Patwar / RSBK की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	112
14	शब्दों की तार्किक व्यवस्था [Logical Arrangement of Words]	114
	❖ Patwar / RSBK की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	114
15	लुप्त अक्षर एवं संख्या [Missing Character and Number]	120
	❖ Patwar / RSBK की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	121

बुनियादी संख्यात्मक दक्षता

[Basic Numerical Efficiency]

1-96

1	गणितीय संक्रियाएँ [Mathematical Operations]	1
	❖ Patwar / RSBK की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	1
2	औसत [Average]	8

अध्याय नं.	अध्याय/विषय का नाम	पृष्ठ संख्या
❖	Patwar / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	8
3	अनुपात एवं समानुपात [Ratio and Proportion].....	17
❖	Patwar / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	18
4	ठोस आकृतियों का पृष्ठीय क्षेत्रफल एवं आयतन [Surface Area and Volume of Solids]	27
❖	Patwar / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	28
5	प्रतिशत [Percentage].....	39
❖	Patwar / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	39
6	साधारण एवं चक्रवृद्धि ब्याज [Simple and Compound Interest]	51
❖	Patwar / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	52
7	ऐकिक नियम [Unitary Method]	66
❖	Patwar / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	66
8	लाभ एवं हानि [Profit and Loss]	74
❖	Patwar / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	74
9	समतलीय आकृतियों का क्षेत्रफल एवं परिमाप [Area and Perimeter of Plane Figures]	84
❖	Patwar / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	86

बेसिक कम्प्यूटर [Basic Computer]

1-112

1	कम्प्यूटर : परिचय, विकास एवं कार्यप्रणाली [Computer : Introduction, Development & Working].....	1
❖	कम्प्यूटर की विशेषताएँ (Characteristics of Computer)	5
❖	कम्प्यूटर के अनुप्रयोग (Applications of Computer)	6
❖	कम्प्यूटरों का वर्गीकरण (Classification of Computers)	6
❖	सुपर कम्प्यूटर (Super Computer)	8
❖	कम्प्यूटर इतिहास के महत्वपूर्ण तथ्य एवं व्यक्तित्व	9
❖	कम्प्यूटर की आधारभूत कार्यप्रणाली (Basic Working of Computer)	9
❖	कम्प्यूटर की संरचना एवं संगठन (Architecture & Organisation of Computer)	9
❖	कम्प्यूटर प्रोसेसिंग के अवयव (Components of Computer Processing)	12
❖	महत्वपूर्ण नोट्स [Important Notes]	13

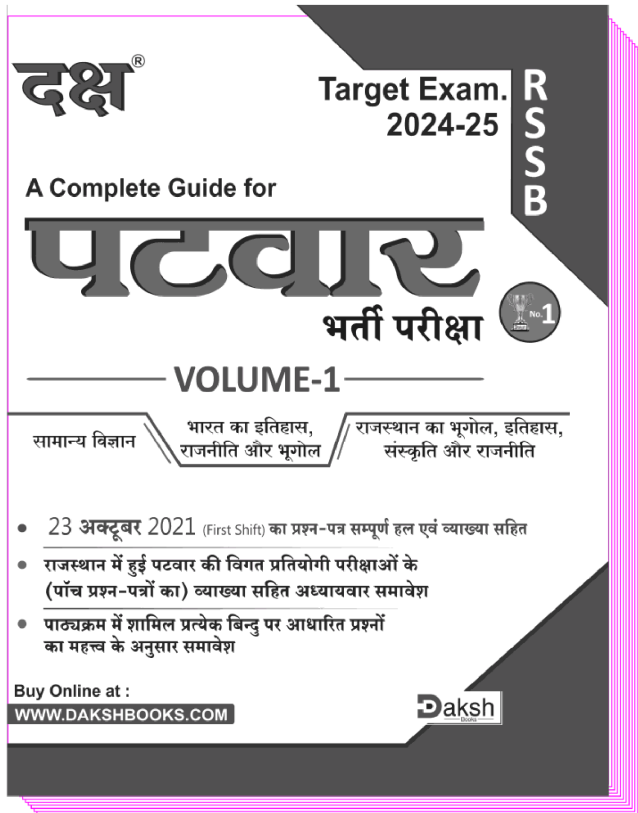
अध्याय नं.	अध्याय/विषय का नाम	पृष्ठ संख्या
❖	जरूर पढ़ें : Exam Booster	14
❖	Patwar / RSBK की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	16
2	इनपुट एवं आउटपुट डिवाइसेज [Input and Output Devices].....	19
❖	इनपुट डिवाइसेज (Input Devices)	19
❖	आउटपुट डिवाइस (Output Device)	28
❖	जरूर पढ़ें : Exam Booster	34
❖	Patwar / RSBK की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	34
3	हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर (ऑपरेटिंग सिस्टम) [Hardware and Software (Operating System)].....	37
❖	कम्प्यूटर हार्डवेयर (Computer Hardware)	37
❖	कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर (Computer Software)	37
❖	सॉफ्टवेयर का वर्गीकरण (Classification of Software)	38
❖	कैरेक्टर यूजर इन्टरफेस (Character User Interface–CUI)	40
❖	विण्डोज ऑपरेटिंग सिस्टम (Windows Operating System)	42
❖	एसेसरीज (Accessories)	45
❖	ऑपरेटिंग सिस्टम से सम्बन्धित शब्दावली (Glossary Related to Operating System)	46
❖	कम्प्यूटर भाषाएँ (Computer Languages)	47
❖	अनुप्रयोग सॉफ्टवेयर (Application Software)	48
❖	यूटिलिटी सॉफ्टवेयर (Utility Software)	49
❖	फाइल और फोल्डर (File and Folder)	50
❖	फाइल एक्सटेंशन (File Extension)	50
❖	सॉफ्टवेयर से संबंधित विशेष शब्दावली (Software Related Terminolgy) .	51
❖	Patwar / RSBK की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	51
4	मेमोरी [Memory].....	56
❖	मेमोरी : परिभाषा एवं परिचय (Memory : Definition & Introduction)	56
❖	मेमोरी मापन इकाईयाँ (Memory Measurement Units)	56
❖	डाटा एक्सेस विधियाँ (Data Access Methods)	57
❖	मेमोरी का वर्गीकरण (Classification of Memory)	58
❖	Patwar / RSBK की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	64
5	माइक्रोसॉफ्ट वर्ड [Microsoft Word]	68
❖	माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस (Microsoft Office)	68

अध्याय नं.	अध्याय/विषय का नाम	पृष्ठ संख्या
❖	ऑफिस 365 (Office 365)	68
❖	माइक्रोसॉफ्ट वर्ड परिचय (Microsoft Word Introduction)	69
❖	माइक्रोसॉफ्ट वर्ड विण्डो के विभिन्न अवयव (Various Elements of Microsoft Word Window)	70
❖	फाईल टैब (File Tab)	71
❖	होम टैब (Home Tab) (Alt+H)	72
❖	इन्सर्ट टैब (Insert Tab)	75
❖	पेज लेआउट (Page Layout)	77
❖	रेफरेन्स टैब (References Tab)	78
❖	मैलिंग्स टैब (Mailings Tab)	78
❖	रिव्यू टैब (Review Tab)	79
❖	व्यू टैब (View Tab)	80
❖	Patwar / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	83
6	माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल [Microsoft Excel]	86
❖	माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल : परिचय (Microsoft Excel : Introduction)	86
❖	Home Tab / होम टैब	89
❖	Insert Tab / इंसर्ट टैब	90
❖	Page Layout / पेज लेआउट	92
❖	Formulas Tab / फॉर्मूला टैब	93
❖	Data Tab / डाटा टैब	97
❖	Review Tab / रिव्यू टैब	98
❖	View Tab / व्यू टैब	99
❖	Patwar / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	102
7	माइक्रोसॉफ्ट पावर पाइन्ट [Microsoft Power Point]	105
❖	Home Tab/होम टैब	106
❖	Insert Tab/इन्सर्ट टैब	107
❖	Design Tab/डिजाइन टैब	107
❖	Transitions Tab/ट्रांजिशन टैब	108
❖	Animation Tab/एनिमेशन टैब	108
❖	Slide Show Tab/स्लाइड शो टैब	108
❖	Review Tab/रिव्यू टैब	109
❖	View Tab/व्यू टैब	109
❖	Short Cut Keys/शॉर्टकट कीज	110
❖	Patwar / RSSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर	110

अध्याय नं. अध्याय/विषय का नाम पृष्ठ संख्या

Patwar 2024 Edition

PATWAR CLEAR करना हो तो इन पुस्तकों का अध्ययन करें और सफलता सुनिश्चित करें।



Volume-1

सामान्य विज्ञान [General Science]

1-112

- 1 भौतिक एवं रासायनिक अभिक्रिया [Physical and Chemical Reaction] 1
- 2 धातु एवं अधातु [Metals and Non-Metals] 7
- 3 अम्ल व क्षार [Acid and Base] 19
- 4 कार्बनिक यौगिक [Carbonic Compounds] 26
- 5 वैद्युत [Electricity] 38
- 6 चुम्बकत्व [Magnetism] 48
- 7 प्रकाश [Light] 53

अध्याय नं.	अध्याय/विषय का नाम	पृष्ठ संख्या
8	मानव शरीर [Human Body]	63
9	रक्त [Blood]	81
10	पोषण [Nutrients]	86
11	मानव स्वास्थ्य [Human Health]	90
12	पादप व जंतुओं का आर्थिक महत्त्व [Economic Importance of Plant and Animals]	99
13	पारिस्थितिकी तंत्र [Ecosystem]	107

भारत का इतिहास, राजनीति और भूगोल [History, Polity and Geography of India] 113-240

14	भारत का इतिहास [History of India]	113
15	भारत का राजनीति [Polity of India]	171
16	भारत का भूगोल [Geography of India]	204

राजस्थान का भूगोल, इतिहास, संस्कृति और राजनीति [Geography, History, Culture & Polity of Rajasthan] 1-224

1	राजस्थान का भूगोल	1
❖	राज्य के नवीन जिले एवं संभागीय व्यवस्था	1
❖	07 अगस्त, 2023 को गठित नये संभाग	9
❖	राजस्थान का सामान्य परिचय	10
❖	राजस्थान के नगरों के प्राचीन एवं वर्तमान नाम	11
❖	राजस्थान की अवस्थिति एवं विस्तार	14
❖	राजस्थान का जिलेवार विस्तार	14
❖	राजस्थान की सीमाएँ	15
❖	राजस्थान के भौतिक विभाग	16
❖	राजस्थान की जलवायु	21
❖	राजस्थान की जलवायु को प्रभावित करने वाले तत्व	21
❖	राजस्थान की जलवायु की विशेषताएँ	22
❖	कोपेन के अनुसार राजस्थान की जलवायु का वर्गीकरण	23
❖	ट्रिवार्था के अनुसार राजस्थान की जलवायु का वर्गीकरण	23
❖	थार्नविट के अनुसार राजस्थान की जलवायु का वर्गीकरण	23
❖	मृदा	24
❖	राजस्थान का अपवाह तंत्र	27

अध्याय नं.	अध्याय/विषय का नाम	पृष्ठ संख्या
❖	सिंचाई परियोजनाएँ	32
❖	राजस्थान में कृषि	35
❖	पशु सम्पदा	40
❖	वनस्पति	45
❖	वन्यजीव एवं संरक्षण	48
❖	जनसंख्या : 2011	53
❖	खनिज संसाधन	56
❖	उद्योग	60
❖	ऊर्जा संसाधन	66
❖	परिवहन	69
2	राजस्थान के इतिहास की महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाएँ	75
❖	राजस्थान के इतिहास के महत्वपूर्ण स्रोत	75
❖	राजस्थान की प्राचीन सभ्यताएँ एवं पुरास्थल	80
❖	राजस्थान के प्रमुख राजवंश	82
❖	राजवंशों की प्रशासनिक व राजस्व व्यवस्था, सामाजिक-सांस्कृतिक आचाम	95
3	राजस्थान की प्रशासनिक व्यवस्था	101
	राज्यपाल, राज्य विधानसभा, उच्च न्यायालय, राजस्थान लोकसेवा आयोग, जिला प्रशासन, राज्य मानवाधिकार आयोग, राज्य निर्वाचन आयोग, लोकायुक्त, राज्य सूचना आयोग, लोक नीति	
❖	राज्यपाल	101
❖	वीटो पावर	102
❖	राजस्थान के राज्यपाल एवं उनका कार्यकाल	102
❖	राजस्थान में राष्ट्रपति शासन	104
❖	मुख्यमंत्री एवं मंत्रिपरिषद्	106
❖	राज्य मंत्रिपरिषद् (State Council of Ministers)	106
❖	मुख्यमंत्री (Chief Minister)	106
❖	मुख्यमंत्री के कार्य व शक्तियाँ	107
❖	राजस्थान के मुख्यमंत्री	107
❖	राजस्थान के उपमुख्यमंत्री	108
❖	राज्य विधानसभा	110
❖	विधानसभा (Legislative Assembly)	110
❖	राजस्थान विधानसभा का कार्यकाल; एक संक्षिप्त विवरण (1952-2023)	112
❖	उच्च न्यायालय	113
❖	राजस्थान उच्च न्यायालय	113
❖	राजस्थान लोक सेवा आयोग	115
❖	जिला प्रशासन	116
❖	उपरखण्ड एवं तहसील प्रशासन	118
❖	पंचायतीराज	120
❖	पंचायतीराज से संबंधित महत्वपूर्ण समितियाँ	120
❖	73वाँ संविधान संशोधन-1992 एवं पंचायतीराज	121
❖	74वाँ संविधान संशोधन-1992 एवं नगरीय स्वशासन	123

अध्याय नं.	अध्याय/विषय का नाम	पृष्ठ संख्या
❖	राजस्थान में नगरीय स्वशासन	124
❖	राज्य मानवाधिकार आयोग	127
❖	राज्य निर्वाचन आयोग	128
❖	लोकायुक्त	130
❖	राज्य सूचना आयोग	131
❖	लोक नीति	132
4	सामाजिक-सांस्कृतिक मुद्दे	134
❖	रीति रिवाज	139
❖	वेशभूषा/आभूषण	137
❖	जनजातियाँ एवं उनकी संस्कृति	139
5	स्वतंत्रता आंदोलन, जन-जागरण एवं राजनीतिक एकीकरण	142
❖	1857 की क्रांति	142
❖	किसान आंदोलन/जनजाति आंदोलन	144
❖	राजनीतिक जनजागरण एवं प्रजामण्डल आंदोलन	147
❖	राजस्थान का एकीकरण	153
6	लोक कलाएँ, चित्रकलाएँ और हस्तशिल्प एवं स्थापत्य	156
❖	चित्रकला	156
❖	हस्तशिल्प	160
❖	स्थापत्य कला	164
7	मेले, त्योहार, लोक संगीत एवं लोक नृत्य	176
❖	राजस्थान के प्रमुख मेले	176
❖	त्योहार	178
❖	लोक संगीत	181
❖	राजस्थान के लोकवाद्य	185
❖	लोक नृत्य एवं नाट्य	187
❖	राजस्थान के लोक नाट्य	190
8	राजस्थानी संस्कृति एवं विरासत, साहित्य	193
❖	राजस्थानी भाषाएँ एवं बोलियाँ	193
❖	राजस्थानी साहित्य	196
9	राजस्थान के धार्मिक आंदोलन, सन्त एवं लोकदेवता	203
❖	लोक संत	203
❖	लोकदेवता	207
❖	लोक देवियाँ	210
10	महत्त्वपूर्ण पर्यटन स्थल	215
❖	राजस्थान में पर्यटन का विकास एवं महत्त्वपूर्ण संस्थाएँ	215
11	राजस्थान के प्रमुख व्यक्तित्व	221

पटवारी भर्ती परीक्षा

सॉल्वड पेपर-104-B

Exam Date : 23-10-2021 • Shift-II

2021

कुल प्रश्न : 150

समय : 180 मिनट

कुल अंक : 300

1. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित करें एवं सूचियों के नीचे दिए कूटों में से सही उत्तर चुनें—

सूची-I	सूची-II
a. सिट्रिक अम्ल	1. मक्खन
b. ब्यूटैरिक अम्ल	2. नींबू
c. एसीटिक अम्ल	3. दुग्ध
d. लैक्टिक अम्ल	4. सिरका

कूट :	a	b	c	d
(A)	2	1	4	3
(B)	1	2	3	4
(C)	2	1	3	4
(D)	4	3	2	1

[A]

व्याख्या—विभिन्न प्रकार के अम्ल एवं उनके स्रोत निम्न हैं—

a. सिट्रिक अम्ल	—	नींबू
b. ब्यूटैरिक अम्ल	—	मक्खन
c. एसीटिक अम्ल	—	सिरका
d. लैक्टिक अम्ल	—	दुग्ध

2. अति सूक्ष्म वस्तुओं के आवर्धन के लिए किस यंत्र का उपयोग किया जाता है?

(A) हाइड्रोस्कोप	(B) इलेक्ट्रोस्कोप
(C) पेरिस्कोप	(D) माइक्रोस्कोप

[D]

व्याख्या—माइक्रोस्कोप—यह एक प्रयोगशाला उपकरण है जिसका उपयोग उन वस्तुओं की जांच करने के लिए किया जाता है जो नग्न आंखों से देखने के लिए बहुत छोटी हैं। इसका उपयोग बहुत छोटी वस्तुओं को आवर्धित करने के लिए किया जाता है। इसमें दो उत्तल लेंस होते हैं— उनमें से एक को ऑब्जेक्टिव लेंस कहा जाता है और दूसरे को ऐपिस के रूप में जाना जाता है।

हाइड्रोस्कोप—यह एक ऑप्टिकल उपकरण है जिसका उपयोग पानी की सतह के नीचे की वस्तुओं को देखने के लिए किया जाता है।

इलेक्ट्रोस्कोप—यह एक वैज्ञानिक उपकरण है जिसका उपयोग शरीर पर विद्युत आवेश की उपस्थिति का पता लगाने के लिए किया जाता है।

पेरिस्कोप—यह एक ऑप्टिकल उपकरण है जो एक ट्यूब के माध्यम से छवियों को प्रतिबिंबित करने के लिए प्रिज्म, लेंस या दर्पण की एक प्रणाली का उपयोग करता है।

3. रतौंधी.....की कमी के कारण होती है—

(A) विटामिन C	(B) विटामिन A
(C) विटामिन K	(D) विटामिन B

[B]

व्याख्या—विटामिन A का रासायनिक नाम रेटिनॉल है। इसकी कमी से रतौंधी सहित आंखों के विभिन्न रोग हो जाते हैं। हरी पत्तीदार

सब्जियाँ, गाजर, दूध, पनीर, मछली का तेल, कलेजी, अण्डे की जर्दी इसके प्रमुख स्रोत हैं।

4. हृदय की पेशियाँ हैं—

(A) अनैच्छिक और रेखित	(B) रेखित और ऐच्छिक
(C) अरेखित और ऐच्छिक	(D) इनमें से कोई नहीं

[A]

व्याख्या—हृदय की पेशियाँ एक अनैच्छिक, धारीदार मांसपेशी है जो हृदय की दीवार के मुख्य ऊतक का निर्माण करती है। हृदय की मांसपेशी (मायोकार्डियम) हृदय की दीवार की बाहरी परत (पेरीकार्डियम) और आंतरिक परत (एंडोकार्डियम) के बीच एक मोटी मध्य परत बनाती है, जिसमें कोरोनरी परिसंचरण के माध्यम से रक्त की आपूर्ति की जाती है।

5. निम्न में से कौन-सी सबसे मीठी शर्करा है?

(A) फ्रक्टोज	(B) ग्लूकोज	(C) सुक्रोज	(D) माल्टोज
--------------	-------------	-------------	-------------

[A]

व्याख्या—फ्रक्टोज प्राकृतिक रूप से पाई जाने वाली सबसे मीठी चीनी है, जो सुक्रोज से दोगुनी मीठी मानी जाती है। फ्रक्टोज भी सुक्रोज के पाचन से प्राप्त होता है, एक डिसैकराइड जिसमें ग्लूकोज और फ्रक्टोज होता है जो पाचन के दौरान ग्लाइकोसाइड हाइड्रॉलेज एंजाइम द्वारा टूट जाता है।

6. मनुष्यों में, रक्तक्षीणता (एनीमिया) का मुख्य कारण क्या है?

(A) लौह की कमी	(B) विटामिन D की कमी
(C) विटामिन E की कमी	(D) विटामिन K की कमी

[A]

व्याख्या—शरीर में लाल रूधिर कणिकाओं की कमी को एनीमिया कहा जाता है। यह शरीर में लौह तत्व की कमी के कारण होता है। विभिन्न विटामिन के रासायनिक नाम तथा कमी के प्रभाव निम्नवत् है—

विटामिन	रासायनिक नाम	कमी के प्रभाव
A	रेटिनॉल	रतौंधी रोग
B ₁	थायमिन	बेरी-बेरी रोग
C	ऐस्कॉर्बिक अम्ल	स्कर्वी रोग
D	कैल्सिफेरॉल	रिकेट्स
E	टोकोफेरॉल	नपुंसकता
K	नैफथोक्विनॉन	रक्त का थक्का न जमना

7. बी.सी.जी. टीका बच्चों को.....रोग से बचाने हेतु दिया जाता है—

(A) टी.बी.	(B) कॉलेरा
(C) मलेरिया	(D) डिफ्थेरिया

[A]

व्याख्या—बी.सी.जी. (बैसिलस काल्मेट ग्यूरीन) का टीका तपेदिक या क्षय रोग (टी.बी.) के बचाव के लिए शिशु के जन्म के तुरंत बाद लगाया जाना चाहिए। यह टीका यदि जन्म के तुरंत बाद न लगाया गया हो, तो शिशु के जन्म से 12 माह के अंदर तक दिया जा सकता है, किन्तु जन्म के बाद जितनी अवधि व्यतीत होती जाएगी प्रभावित उतनी

2. उसकी आयु कम से कम 35 वर्ष होनी चाहिए।
3. उसमें लोक सभा का सदस्य बनने की योग्यता होनी चाहिए।
4. वह एक से अधिक राज्यों का राज्यपाल हो सकता है।

कूट :

- (A) 3 तथा 4 सही हैं। (B) 1, 2 और 4 सही हैं।
(C) 1, 2 और 3 सही हैं। (D) 2 तथा 3 सही हैं। [B]

व्याख्या—संविधान के अनुच्छेद 157 व 158 के अंतर्गत किसी व्यक्ति में राज्यपाल के पद के लिए निम्नलिखित योग्यताओं एवं शर्तों का होना आवश्यक है—

- वह भारत का नागरिक हो।
- 35 वर्ष की आयु पूरी कर चुका हो।
- राज्यपाल के पद पर आसीन व्यक्ति किसी राज्य या संघ क्षेत्र की सरकार के अधीन लाभ का पद धारण नहीं करेगा।
- राज्यपाल नियुक्त किया जाने वाला व्यक्ति संसद अथवा राज्य विधान मंडल के किसी सदन का सदस्य नहीं होना चाहिए।

143. राजस्थान का कौन-सा क्षेत्र बेल बूटे की छपाई की परंपरागत कला के लिए जाना जाता है?

- (A) बगरू (B) मोलेला (C) सांगानेर (D) बस्सी [*]

व्याख्या—बेलबूटे छापने के लिए पीतल के पोले भॉल्यों (ठप्पों) का उपयोग होता है जिनमें बेलबूटों की आकृतियाँ रंघित होती है। भॉल्यों के द्वारा वस्त्रों पर छपी गई चित्रकारी भाँत कहलाती है।

144. निम्न में से किसे राजस्थान के लोकायुक्त के अधिकार-क्षेत्र में सम्मिलित नहीं किया गया है?

- (A) मुख्यमंत्री
(B) राजस्थान राज्य द्वारा स्थापित निगमों में कार्यरत सदस्य
(C) जिले का मुखिया (D) मंत्री [A]

व्याख्या—राजस्थान के लोकायुक्त के कार्य क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पदाधिकारी निम्न हैं—

- ✧ मंत्रिपरिषद के सदस्य (मुख्यमंत्री को छोड़कर)
- ✧ लोकसेवक/सचिव/विभागाध्यक्ष
- ✧ जिला प्रमुख एवं उपजिला प्रमुख
- ✧ पंचायत समिति प्रधान व उप-प्रधान
- ✧ पंचायत समिति की स्थायी समितियों के अध्यक्ष
- ✧ महापौर एवं उप-महापौर
- ✧ नगरपालिका व नगर परिषद के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष
- ✧ नगरपालिका की स्थायी समितियों के अध्यक्ष
- ✧ राजकीय कम्पनियों, निगमों, मंडलों के अध्यक्ष

145. हाड़ौती का सुरंगा मेला कहा जाता है—

- (A) रामदेवरा मेले को (B) परबतसर मेले को
(C) पुष्कर मेले को (D) चंद्रभागा मेले को [D]

व्याख्या—चन्द्रभागा मेले को हाड़ौती का सुरंगा मेला भी कहा जाता है। यह मेला कार्तिक माह में झालावाड़ जिले में आयोजित किया जाता है।

146. निम्न में से कौन-सा युग्म सही है?

- | संस्थान | स्थापना |
|----------------------------------|--------------------|
| (A) राजस्थान साहित्य अकादमी | 28 जनवरी, 1958 |
| (B) राजस्थान संस्कृत अकादमी | 25 अगस्त, 1969 |
| (C) राजस्थान ब्रज भाषा अकादमी | 19 जनवरी, 1982 |
| (D) राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी | 15 जुलाई, 1980 [A] |

व्याख्या—राजस्थान की उपर्युक्त साहित्यिक-सांस्कृतिक संस्थाओं का स्थापना वर्ष से सही मिलान इस प्रकार है—

- राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर – 1980
राजस्थान ब्रज भाषा अकादमी, जयपुर – 1986
राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर – 1969

147. निम्न में से उस समूह का चयन कीजिए जिन्होंने तीन या अधिक अवसरों पर राजस्थान के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली—

- (A) भैरोंसिंह शेखावत – शिवचरण माथुर – हरिदेव जोशी
(B) मोहनलाल सुखाड़िया – हरिदेव जोशी – अशोक गहलोत
(C) जयनारायण व्यास – मोहनलाल सुखाड़िया – अशोक गहलोत
(D) मोहनलाल सुखाड़िया – हीरालाल शास्त्री – वसुंधरा राजे [B]

व्याख्या—मोहनलाल सुखाड़िया, हरिदेव जोशी एवं अशोक गहलोत ने तीन या अधिक अवसरों पर राजस्थान के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है—

- | | |
|-------------------|--------------------------|
| मोहनलाल सुखाड़िया | 11.11.1954 से 11.04.1957 |
| | 13.04.1957 से 11.03.1962 |
| | 12.03.1962 से 13.03.1967 |
| | 26.04.1967 से 09.07.1971 |
| हरिदेव जोशी | 11.10.1973 से 29.04.1977 |
| | 10.03.1985 से 20.01.1988 |
| | 04.12.1989 से 04.03.1990 |
| अशोक गहलोत | 01.12.1998 से 08.12.2003 |
| | 13.12.2008 से 13.12.2013 |
| | 17.12.2018 से 15.12.2023 |

148. RSHRC के अध्यक्ष की नियुक्ति.....की जाती है।

- (A) मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाली समिति की अनुशंसा पर राज्यपाल द्वारा
(B) राष्ट्रपति की स्वीकृति लेने के बाद राज्यपाल द्वारा
(C) सोच-समझकर राज्यपाल द्वारा
(D) मुख्यमंत्री की सलाह पर राज्यपाल द्वारा [A]

व्याख्या—मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम की धारा 22(1) के अनुसार राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष तथा प्रत्येक सदस्य की नियुक्ति एक चार सदस्यीय समिति की सिफारिश पर राज्यपाल द्वारा की जायेगी।

नियुक्ति समिति—

- ✧ मुख्यमंत्री—समिति के अध्यक्ष
- ✧ विधानसभा का अध्यक्ष—सदस्य
- ✧ राज्य का गृहमंत्री—सदस्य
- ✧ विधानसभा में विपक्ष का नेता—सदस्य

149. तिल चौथ (संकट चौथ) मनायी जाती है—

- (A) भाद्रपद कृष्ण षष्ठी (B) फाल्गुन शुक्ल एकादशी
(C) कार्तिक शुक्ल एकादशी (D) माघ कृष्ण चतुर्थी [D]

व्याख्या—तिल चौथ (संकट चौथ) माघ कृष्ण चतुर्थी को मनायी जाती है। इस दिन गणेशजी व चौथ माता को तिलकुट्टे का भोग लगाया जाता है। अतः इसे तिलकुटा चौथ भी कहते हैं।

150. राजस्थान राज्य सूचना आयोग के वर्तमान सूचना आयुक्त कौन हैं?

- (A) एच.सी.मीणा (B) पी.के.तिवारी
(C) देवेन्द्र भूषण गुप्ता (D) इनमें से कोई नहीं [C]

व्याख्या—11 दिसम्बर 2020 से श्री डी.बी. गुप्ता राजस्थान के मुख्य सूचना आयुक्त हैं।

सामान्य अंग्रेजी [GENERAL ENGLISH]

1

Comprehension (Unseen Passage)

[अपठित गद्यांश]

- ❖ Comprehension means the understanding of the meaning and implications of the ideas in a passage, Its aim is to train students to read and understand the written material.
- ❖ The following points will be found useful in answering questions on a given passage:
 1. Read the passage carefully and try to find out a general idea of the subject it deals with.
 2. Read the passage a second time, this time more thoroughly, as comprehension requires a full understanding of the sentences of the passage.
 3. Now read the questions, understand them and locate their answers in the passage.
 4. Answer to each question should be brief and to the point.
 5. In the vocabulary question the candidate must

show that he knows the exact meaning in which the word is used in the passage.

अपठित गद्य

अर्थ एवं तात्पर्य—अपठित गद्य से तात्पर्य समझने की योग्यता से है। परीक्षार्थी को गद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के दिये उत्तरों में से सही उत्तर का चयन करना होता है। निम्नलिखित बिन्दु सही उत्तर का चयन करने में सहायक होंगे—

गद्यांश को पढ़कर उसकी विषय-वस्तु को समझना चाहिए। यह भी देखना चाहिए कि गद्यांश किस विषय के कौनसे पहलू से सम्बन्धित है।

अब प्रत्येक प्रश्न को पढ़ें, उसे समझें और गद्यांश में उस भाग को रेखांकित करें जिसमें उस प्रश्न का उत्तर हो।

इसके पश्चात् दिये गये उत्तरों में से जो उससे (passage से) मिलता हो उसे चिह्नित करें और Answersheet में भरें।

Passage - 1

Read the passage and answer the questions (1-5):

The rivers of India play an important role in the lives of the Indians. They provide potable water, cheap transportation, electricity, and the livelihood for a large number of people all over the country. This easily explains why nearly all the major cities of India are located by the banks of rivers. The rivers also have an important role in Hindu Religion and are considered holy by all Hindus in the country.

Seven major rivers along with their numerous tributaries make up the river system of India. The largest basin system of the rivers pours their waters into the Bay of Bengal; however, some of the rivers whose courses take them through the western part of the country and towards the east of the state of Himachal Pradesh empty into the Arabian Sea. Parts of Ladakh, northern parts of the Thar Desert have inland drainage.

All major rivers of India originate from one of the following main watersheds :

1. Aravalli range
2. Himalaya and Karakoram ranges
3. Sahyadri or Western Ghats in western India
4. Vindhya and Satpura ranges

Himalayan glaciers in the Indian subcontinent are broadly divided into the three river basins, namely the Indus, Ganga and Brahmaputra. The Indus basin has largest number of glaciers (3500), whereas the Ganga and Brahmaputra basins contain about 1000 and 660

glaciers, respectively. Ganga is the largest river system in India. However these river are just three among many. Other examples are Narmada, Tapti and Godavari.

Objective Type Questions with Answers

1. According to the passage, the major rivers in India.

- (A) Pour only into Bay of Bengal
- (B) Pour only into Arabian Sea
- (C) Pour either into Bay of Bengal or Arabian Sea or have inland drainage.
- (D) Pour either into Bay of Bengal or Arabian Sea [C]

Exp. : Ans. (C) is correct. the major rivers in India pour either into Bay of Bengal or Arabian Sea or have inland drainage.

2. How many glaciers are there in each of the river basins in India?

- (A) Brahmaputra, Ganga, Indus – 1000, 660, 3500 respectively
- (B) Indus, Brahmaputra, Ganga – 1000, 660, 3500 respectively
- (C) Ganga, Indus, Brahmaputra – 1000, 660, 3500 respectively
- (D) Ganga, Brahmaputra, Indus – 1000, 660, 3500 respectively [D]

Exp. : Ans. (D) is correct. The Ganga, Indus,

VIII. Errors in the use of 'Shall' and 'Will'

- ❖ **Rule 1**—Shall का प्रयोग First Person. (I and we) के साथ और Will का प्रयोग 2nd तथा Third Persons (you, he, she, it, they) के साथ Future tense को प्रकट करने के लिए किया जाता है।
- ❖ **Rule 2**—यदि Shall का प्रयोग Second या Third Persons के साथ और Will का प्रयोग First Person के साथ किया जाय तो Shall या Will इरादा, प्रतिज्ञा, धमकी और आज्ञा प्रकट करते हैं।

<i>Incorrect Sentences</i>	<i>Correct Sentences</i>
1. Will I marry this girl ?	1. Shall I marry this girl ?
2. They believe that he shall pass.	2. They believe that he will pass.
3. I hope you shall not tell me a lie again.	3. I hope you will . not tell me a lie a again.
4. You will obey my order.	4. You shall obey my order.
5. I shall not move an inch.	5. I will not move an inch.
6. I will be obliged to dismiss him.	6. I shall be obliged to dismiss him.
7. Shall he pass ?	7. Will he pass ?

IX. Errors in the use of Agreement of the Verb with the Subject (कर्ता के अनुसार क्रिया का मेल)

- ❖ **Rule 1**—Verb (क्रिया) का वचन सदैव कर्ता के वचन के अनुसार होता है। यदि कर्ता Singular है तो क्रिया (Verb) भी Singular में होगी और यदि कर्ता Plural है तो क्रिया भी Plural में होगी।
- ❖ **Rule 2**—जब and से जुड़े हुए कर्ता (Subjects) एक ही व्यक्ति या वस्तु या एक ही विचार को प्रकट करते हैं तो उनके साथ क्रिया एकवचन (Singular) में आती है।
- ❖ **Rule 3**—As well as से जुड़े हुए कर्ताओं में से पहले कर्ता के अनुसार क्रिया का प्रयोग होता है।
- ❖ **Rule 4**—सम्बन्धवाचक सर्वनामों (Relative Pronouns—who, which, that आदि) के बाद उसके पहले आने वाले पूर्ववर्ती शब्दों (अर्थात् Antecedents) के अनुसार क्रिया का वचन होता है।
- ❖ **Rule 5**—कुछ Nouns और शब्दों के पश्चात् Verbs के निश्चित वचन (Singular or Plural) का प्रयोग होता है।

<i>Rule</i>	<i>Incorrect Sentences</i>	<i>Correct Sentences</i>
I	1. A large number of students are seeking admission. 2. Then boys comes . 3. Everyone of these girls are weak in English.	1. A large number of students is seeking admission. 2. Then boys come . 3. Everyone of these girls is weak in English.
II	4. The horse and carriage are at the door. 5. Curry and the rice are my food. 6. Bread and butter are wanted by everyone. 7. The novelist and poet are dead. 8. Honour and glory are your reward. 9. Time and tide wait for no man.	4. The horse and carriage is at the door. 5. Curry and rice is my food. 6. Bread and butter is wanted by everyone. 7. The novelist and poet is dead. 8. Honour and glory is your reward. 9. Time and tide waits for no man.
III	10. My friends as well as Mohan is playing. 11. The class teacher with all his students are present here.	10. My friends as well as Mohan are playing. 11. The class teacher with all his students is present here.
IV	12. It is I who is to blame. 13. He is one of those men who is never satisfied.	12. It is I who am to blame. 13. He is one of those men who are never satisfied.
V	14. Cattle is grazing. 15. Sixteen annas are equal to one rupee.	14. Cattle are grazing. 15. Sixteen annas is equal to one rupee.

X. Common Errors in the use of Conjunctions

- Incorrect 1.** No sooner he fell off the horse then he passed away.
- Correct :** No sooner did he fall off the horse than he passed away.

Exp. :

No sooner did + Subject + I form + Than + II form
यदि किसी वाक्य का tense 'past indefinite' हो तो No sooner के बाद II form के स्थान पर did + I form/Periphrastic form)

सामान्य हिन्दी [GENERAL HINDI]

1

सन्धि व संधि विच्छेद

❖ 'संधि का अर्थ होता है—जुड़ना। वर्णों के परस्पर मेल होने (जुड़ने) पर उत्पन्न ध्वनि विकार को **संधि** कहते हैं।

❖ **संधि के भेद—(1) स्वर (2) व्यंजन (3) विसर्ग**

1. स्वर संधि

❖ स्वरों के परस्पर मेल से उत्पन्न ध्वनि विकार स्वर संधि कहलाता है।

ओष्ठाकृति के आधार पर स्वरों के भेद

- (1) **वृत्तामुखी स्वर**—आँ, उ, ऊ, ओ, औ
(2) **अवृत्तामुखी स्वर**—अ, आ, इ, ई, ए, ऐ

❖ स्वर संधि को स्पष्ट करने के लिए हिन्दी व्याकरण में प्रयुक्त स्वरों के बारे में जानना आवश्यक है।

❖ हिन्दी में मूलतः 11 स्वर होते हैं। जैसे—

अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ।

रचना या उत्पत्ति के आधार पर स्वरों के भेद

- (1) मूल स्वर (2) संधि स्वर

1. **मूल स्वर**—जिन स्वरों की उत्पत्ति किन्हीं दूसरे स्वरों से नहीं हुई है, उन्हें '**मूल स्वर**' कहते हैं। हिन्दी में इनकी संख्या चार है—

- (1) अ (2) इ (3) उ (4) ऋ

2. **संधि स्वर**—मूल स्वरों के मेल से बने स्वरों को संधि स्वर कहा जाता है। इनमें रचना की दृष्टि से 2 भेद हैं—

- (i) दीर्घ स्वर (ii) संयुक्त स्वर

(i) **दीर्घ स्वर**—जब दो समान स्वर मिलते हैं तो वे दीर्घ हो जाते हैं।

हिन्दी में 3 दीर्घ स्वर हैं—आ, ई, ऊ

इनकी रचना निम्न प्रकार हुई है—

❖ अ + अ = आ ❖ इ + इ = ई ❖ उ + उ = ऊ

(ii) **संयुक्त स्वर**—जब दो भिन्न-भिन्न स्वर मिलते हैं तो एक नया स्वर बनता है, उसे संयुक्त स्वर कहा जाता है।

हिन्दी में **ए, ऐ, ओ, औ** संयुक्त स्वर हैं।

❖ मात्रा की दृष्टि से इन्हें भी दीर्घ स्वरों की भाँति माना जाता है। इनकी रचना निम्न प्रकार से हुई है—

❖ अ/आ + इ = ए ❖ अ/आ + ए = ऐ
❖ अ/आ + उ = ओ ❖ अ/आ + औ = औ

संध्यक्षर (संधि अक्षर)

❖ संयुक्त स्वरों को '**संध्यक्षर**' भी कहते हैं। मूल स्वरों के उच्चारण में जिह्वा अचल रहती है, जबकि संयुक्त स्वरों के उच्चारण में जिह्वा चलायमान अवस्था में रहती है।

❖ संयुक्त स्वर के उच्चारण में जिह्वा भी '**सरकती**' रहती है इसलिए संयुक्त स्वर को **विसर्प (Glide)** भी कहते हैं।

जिह्वा के आधार पर स्वरों के भेद

❖ स्वर के उच्चारण में जिह्वा का जो भाग अधिक क्रियाशील रहता है, इस आधार पर स्वरों के निम्न भेद होते हैं—

❖ **अग्र स्वर**—इ, ई, ए, ऐ, ऋ

❖ **मध्य स्वर**—अ

❖ **पश्च स्वर**—आ, उ, ऊ, ओ, औ

स्वर तंत्रियों या कम्पन के आधार पर स्वरों के भेद

❖ मुँह में स्थित स्वर तंत्रियाँ जब कम्पन करती हैं तो उनके आधार पर निम्न भेद होते हैं—

❖ **घोष स्वर**—जब उच्चारण के समय स्वर तंत्रियों में कंपन/तनाव उत्पन्न हो तो घोष स्वर उच्चारित होता है।

नोट—हिन्दी में सभी स्वर घोष माने जाते हैं।

❖ **अघोष स्वर**—जब उच्चारण के समय स्वर तंत्रियों में कंपन/तनाव उत्पन्न नहीं हो तो अघोष स्वर उच्चारित होता है।

❖ **मर्मर स्वर**—घोष व अघोष स्वर के मध्य की स्थिति हो तो वह मर्मर स्वर होता है।

स्वर संधि के प्रमुख भेद

- (1) दीर्घ संधि (2) गुण संधि
(3) वृद्धि संधि (4) यण संधि
(5) अयादि संधि (6) पूर्वरूप संधि
(7) पररूप संधि

1. दीर्घ संधि

नियम—जब दो समान स्वर अथवा एक ही स्वर के दो रूप मिलते हैं तो दीर्घ स्वर बनता है।

❖ हिन्दी भाषा में अ, इ, उ ह्रस्व तथा आ, ई, ऊ दीर्घ स्वर माने जाते हैं। इस संधि में दो समान या ह्रस्व एवं दीर्घ स्वर परस्पर मिलकर हमेशा दीर्घ स्वर का निर्माण करते हैं।

❖ जब ह्रस्व स्वर (अ, इ, उ) और दीर्घ स्वर (आ, ई, ऊ) एक-दूसरे के बाद आ जाएँ तो दोनों को मिलाकर उसी स्वर का दीर्घ स्वर (स्वरूप) (आ, ई, ऊ) हो जाता है।

❖ इस संधि में निम्नानुसार ध्वनि परिवर्तन होता है—

❖ अ + अ = आ	❖ अ + आ = आ
❖ आ + अ = आ	❖ आ + आ = आ
❖ इ + इ = ई	❖ इ + ई = ई
❖ ई + इ = ई	❖ ई + ई = ई
❖ उ + उ = ऊ	❖ उ + ऊ = ऊ
❖ ऊ + उ = ऊ	❖ ऊ + ऊ = ऊ

3. विसर्ग संधि

❖ विसर्ग संधि में आपस में दो वर्णों जैसे – स्वर एवं विसर्ग अथवा विसर्ग एवं व्यंजन वर्णों के मेल से परिवर्तन होता है।

❖ **नियम (1)**—जब विसर्ग का किसी वर्ण से मेल होता है तो निम्न महत्त्वपूर्ण स्थितियाँ बनती हैं—

स्थिति (1)—**विसर्ग का 'ओ' हो जाना**—निम्न दो स्थितियों में विसर्ग 'ओ' में बदल जाता है।

❖ यदि विसर्ग से पहले 'अ' स्वर हो एवं विसर्ग के पश्चात् 'अ' स्वर हो तो विसर्ग के स्थान पर 'ओ' स्वर हो जाता है तथा पश्च या पीछे वाले 'अ' स्वर का लोप कर दिया जाता है। जैसे—

संधि पद	संधि-विच्छेद	संधि पद	संधि-विच्छेद
मनोनुकूल	= मनः + अनुकूल	परोक्ष	= परः + अक्ष
मनोनुभूति	= मनः + अनुभूति	सोहम्	= सः + अहम्

❖ यदि विसर्ग से पूर्व 'अ' स्वर हो या व्यंजन वर्ग ('क', 'च', 'ट', 'ठ', 'प') में से किसी वर्ण का तीसरा, चौथा एवं पाँचवाँ वर्ण ('ग', 'घ', 'ङ', 'ज', 'झ', 'ञ', 'ड', 'ढ', 'ण', 'द', 'ध', 'न', 'ब', 'भ', 'म') अथवा 'य', 'र', 'ल', 'व', 'ह' में से कोई वर्ण हो तो 'अ' एवं विसर्ग (:) के स्थान पर 'ओ' स्वर हो जाता है। जैसे—

संधिपद	संधि-विच्छेद	संधिपद	संधि-विच्छेद
तमोगुण	= तमः + गुण	अधोभाग	= अधः + भाग
मनोविज्ञान	= मनः + विज्ञान	तिरोधान	= तिरो + धान
तेजोमूर्ति	= तेजः + मूर्ति	नभोमंडल	= नभः + मंडल
यशोगान	= यशः + गान	वयोवृद्ध	= वयः + वृद्ध
अधोगति	= अधः + गति	मनोबल	= मनः + बल
पयोद	= पयः + द	मनोहर	= मनः + हर
सरोज	= सरः + ज	तपोधन	= तपः + धन
मनोज	= मनः + ज	पयोधर	= पयः + धर
तपोवन	= तपः + वन	मनोरथ	= मनः + रथ
मनोवृत्ति	= मनः + वृत्ति	यशोदा	= यशः + दा
तमोगुण	= तमः + गुण	सरोवर	= सरः + वर
मनोरोग	= मनः + रोग	तपोभूमि	= तपः + भूमि
मनोभावना	= मनः + भावना	शिरोमणि	= शिरः + मणि
मनोविनोद	= मनः + विनोद	यशोभूमि	= यशः + भूमि
मनोहारी	= मनः + हारी	मनोयोग	= मनः + योग
पयोनिधि	= पयः + निधि	मनोवेग	= मनः + वेग
पुरोगामी	= पुरः + गामी	यशोवर्धन	= यशः + वर्धन
तिरोभूत	= तिरः + भूत	यशोधरा	= यशः + धरा
मनोमय	= मनः + मय	मनोनयन	= मनः + नयन
शिरोरेखा	= शिरः + रेखा	यशोगाथा	= यशः + गाथा
मनोरंजन	= मनः + रंजन	शिरोभाग	= शिरः + भाग
रजोगुण	= रजः + गुण	अधोलिखित	= अधः + लिखित
शिरोधार्य	= शिरः + धार्य	तमोमय	= तमः + मय
छंदोमय	= छंदः + मय	अंभोज	= अंभः + ज (कमल)
अंततोगत्वा	= अंततः + गत्वा	अधोवस्त्र	= अधः + वस्त्र
मनोभिलाषा	= मनः + अभिलाषा	परोक्ष	= परः + अक्ष (अक्षि)
अन्योन्य	= अन्यः + अन्य	मनोदशा	= मनः + दशा
मनोनिग्रह	= मनः + निग्रह	मनोरम	= मनः + रम
यशोवर्धन	= यशः + वर्धन	शिरोरुह	= शिरः + रुह

स्थिति (2)—**विसर्ग (:) का लोप हो जाना**—यदि 'अ' स्वर के बाद विसर्ग (:) हो तथा विसर्ग के बाद में 'अ' के अलावा अन्य कोई स्वर हो तो संधि करते समय **विसर्ग का लोप** हो जाता है। जैसे—

संधि-विच्छेद	संधि पद	संधि-विच्छेद	संधि पद
अतः + एव	= अतएव	यशः + इच्छा	= यशइच्छा
तपः + उत्तम	= तपउत्तम	सद्यः + आलस्य	= सद्यआलस्य
ततः + एव	= ततएव	पयः + आदि	= पयआदि

स्थिति (3)—**विसर्ग (:) में कोई परिवर्तन नहीं होना**—यदि 'अ' के बाद विसर्ग (:) हो तथा विसर्ग के बाद 'क', 'ख', 'प', 'फ' आदि में से कोई एक वर्ण हो तो विसर्ग ज्यों का त्यों रहता है तथा उसका लोप नहीं होता है। जैसे—

संधि-विच्छेद	संधि पद	संधि-विच्छेद	संधि पद
अंतः + करण	= अंतःकरण	प्रातः + काल	= प्रातःकाल
अधः + पतन	= अधःपतन	रजः + कण	= रजःकण
मनः + कामना	= मनःकामना	अन्तः + पुर	= अन्तःपुर

अपवाद के उदाहरण—

संधि-विच्छेद	संधि पद	संधि-विच्छेद	संधि पद
नमः + कार	= नमस्कार	पुरः + कार	= पुरस्कार
तिरः + कार	= तिरस्कार	भाः + कर	= भास्कर
बृहः + पति	= बृहस्पति	भाः + पति	= भास्पति

❖ **नियम (4)**—**विसर्ग का 'र' हो जाना**—यदि विसर्ग के पहले 'अ' के अलावा अन्य कोई स्वर ('इ', 'उ', 'आ', 'ए') हो तथा विसर्ग के बाद कोई 'घोष' वर्ण (कोई भी स्वर या वर्णों का तीसरा, चौथा, पाँचवाँ ('ग', 'घ', 'ङ', 'ज', 'झ', 'ञ', 'ड', 'ढ', 'ण', 'द', 'ध', 'न', 'ब', 'भ', 'म') हो अथवा 'य', 'र', 'ल', 'व', 'ह' हो तो विसर्ग (:) हमेशा 'र' व्यंजन में परिवर्तित हो जाता है। जैसे—

संधिपद	संधि-विच्छेद	संधिपद	संधि-विच्छेद
बहिर्गमन	= बहिः + गमन	प्रादुर्भूत	= प्रादुः + भूत
आशीर्वचन	= आशीः + वचन	चतुर्दिश	= चतुः + दिश
बहिर्भाग	= बहिः + भाग	स्वर्ग	= स्वः + ग
धनुर्धर	= धनुः + धर	ज्योतिर्मय	= ज्योतिः + मय
यजुर्वेद	= यजुः + वेद	निर्जर	= निः + जर
निर्बाध	= निः + बाध	निर्गुण	= निः + गुण
निरुद्देश्य	= निः + उद्देश्य	निर्वचन	= निः + वचन
दुर्योधन	= दुः + योधन	बहिर्मुखी	= बहिः + मुखी
धनुर्विद्या	= धनुः + विद्या	आयुर्वेद	= आयुः + वेद
आशीर्वाद	= आशीः + वाद	ज्योतिर्विद्	= ज्योतिः + विद्

❖ **अपवाद के उदाहरण—**

यदि विसर्ग के बाद 'र' व्यंजन हो तो विसर्ग का लोप होकर 'इ'/'उ' क्रमशः 'ई'/'ऊ' में बदल जाते हैं अर्थात् उसके पहले का ह्रस्व स्वर दीर्घ स्वर हो जाता है। जैसे—

संधि-विच्छेद	संधि पद	संधि-विच्छेद	संधि पद
निः + रस	= नीरस	निः + रोग	= नीरोग
धिः + रज	= धीरज	निः + रद	= नीरद
चक्षुः + रोग	= चक्षुरोग	दुः + रम्य	= दूरम्य
निः + रव	= नीरव	निः + रोध	= नीरोध

नियम (5)—यदि 'इ' एवं 'उ' में से किसी भी वर्ण के बाद विसर्ग हो तथा विसर्ग के बाद 'र' हो तो 'इ' + (:) (विसर्ग) परिवर्तित होकर

मानसिक योग्यता एवं तर्कशक्ति [Mental Ability and Reasoning]

1

सादृश्यता [Analogy]

- ❖ सादृश्यता (Analogy): सादृश्यता का शाब्दिक अर्थ होता है— 'देखने में समान' या 'सम-संबंध'।
- ❖ सादृश्यता परीक्षण में दो प्रकार के तत्त्वों के बीच के सम्बन्ध प्रदर्शित किये जाते हैं तथा पूछा जाता है कि उसी प्रकार का सम्बन्ध तीसरे तत्त्व का चौथे से (कौन) है।
- ❖ तीसरे तत्त्व से वैसा ही सम्बन्ध होना चाहिए जैसा कि प्रश्न में निहित पहले और दूसरे शब्द के बीच में है एवं सम्बन्धित तत्त्व को दिए गए उत्तर विकल्प में से खोजना होता है।
- ❖ सादृश्यता साधारणतया 6 प्रकार की होती है—
 - ❖ अक्षर सादृश्यता (Alphabet Analogy)
 - ❖ संख्या सादृश्यता (Number Analogy)
 - ❖ शब्द सादृश्यता (Word Analogy)
 - ❖ आकृति सादृश्यता (Figural Analogy)
 - ❖ समुच्चय सादृश्यता (Set Analogy)
 - ❖ विविध सादृश्यता (Miscellaneous Analogy)

TYPE 1

अक्षर सादृश्यता (Alphabet Analogy)

- ❖ अंग्रेजी अक्षर सादृश्यता के अन्तर्गत अंग्रेजी वर्णमाला के अक्षरों या अक्षर-समूहों पर आधारित प्रश्न पूछे जाते हैं। इन प्रश्नों में दिए गए प्रथम दो अक्षर-समूहों के संबंध को ज्ञात करके इसी आधार पर तीसरे अक्षर समूह के लिए सही उत्तर को विकल्प से ज्ञात करना होता है।
- ❖ साधारणतया इसके अन्तर्गत पूछे जाने वाले प्रश्न अक्षरों के क्रम पर आधारित होते हैं। अतः ऐसे प्रश्नों को हल करने हेतु अक्षरों के क्रम पर आधारित उनकी संगत संख्याओं को याद रखना जरूरी होता है। इसके अतिरिक्त प्रश्न अक्षरों के आवर्तन, स्वर, व्यंजन, छोटे या बड़े अक्षरों इत्यादि पर भी आधारित होते हैं।

उदाहरण 1. उस विकल्प का चयन करें, जिसका तीसरे पद से वही संबंध है, जो दूसरे पद का पहले पद से है।

EIOR : HFRO :: JLQW : ?

(A) HSDL (B) WBLY (C) CYTO (D) MITT [D]

हल: उसी प्रकार

E $\xrightarrow{+3}$ H	J $\xrightarrow{+3}$ M
I $\xrightarrow{-3}$ F	L $\xrightarrow{-3}$ I
O $\xrightarrow{+3}$ R	Q $\xrightarrow{+3}$ T
R $\xrightarrow{-3}$ O	W $\xrightarrow{-3}$ T

उदाहरण 2. उस विकल्प का चयन करें, जिसका तीसरे पद से वही संबंध है, जो दूसरे पद का पहले पद से है।

TITIKSHA : TAIHTSIK :: HARSHITA : ?

(A) HAATRIHS (B) HAATRISH
(C) HTAHRISH (D) HAATSHRI [B]

हल: TITIKSHA \longrightarrow TAIHTSIK
1 2 3 4 5 6 7 8 1 8 2 7 3 6 4 5

उसी प्रकार

HARSHITA \longrightarrow HAATRISH

TYPE 2

संख्या सादृश्यता (Number Analogy)

- ❖ संख्या सादृश्यता के अन्तर्गत प्रश्नों में अंकों के क्रम, अंकों के वर्गों के क्रम, अभाज्य संख्याओं के क्रम आदि पर आधारित प्रश्न पूछे जाते हैं। इसके प्रश्न गणितीय संक्रियाओं पर आधारित होते हैं।
- ❖ इस प्रकार के प्रश्नों में चिह्न (::) के बायीं ओर दो संख्याएँ तथा दायीं ओर एक संख्या एवं एक प्रश्नवाचक चिह्न (?) दिया गया रहता है। आपको यह ज्ञात करना होता है कि (?) चिह्न के स्थान पर प्रश्नों के नीचे दिए गए वैकल्पिक संख्याओं में से कौन-सी एक ऐसी संख्या है, जिसका दायीं ओर वाली संख्या से वही संबंध हो जैसा कि बायीं ओर की दोनों संख्याओं में है।

उदाहरण 1. उस विकल्प का चयन करें, जिसका तीसरी संख्या से वही संबंध है, जो दूसरी संख्या का पहली संख्या से है।

179 : 971 :: 284 : ?

(A) 480 (B) 842 (C) 482 (D) 281 [C]

हल: 179 को उल्टे क्रम में 971 लिखा है। उसी प्रकार से 284 को

482 लिखा जाएगा।

उदाहरण 2. 18 : 162 :: 28 : ?

(A) 392 (B) 98 (C) 166 (D) 134 [A]

हल: 18 : 162 :: 28 : ?

$$18 : \frac{18^2}{2} :: 28 : \frac{28^2}{2}$$

$$18 : \frac{324}{2} :: 28 : \frac{784}{2}$$

$$18 : 162 :: 28 : 392$$

$$\therefore ? = 392$$

TYPE 3

शब्द सादृश्यता (Word Analogy)

- ❖ शब्द सादृश्यता मूल रूप से सामान्य जानकारी पर आधारित होती है। शब्दों की सादृश्यता ज्ञात करने के लिए शब्दों से तथ्यों की जानकारी आवश्यक है जो शब्दकोश और सामान्य ज्ञान के अध्ययन से ही सम्भव है।
- ❖ शब्द सादृश्यता के अन्तर्गत मुख्यतः पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, देश एवं राजधानी, देश और नदी, उपकरण एवं माप, स्थान सम्बन्धी सम्बन्ध, मुद्राएँ, आविष्कार और यांत्रिक खोजें, लैंगिक सम्बन्ध, नदियों के किनारे स्थित नगर, आवाज और पशुओं का सम्बन्ध इत्यादि।

बुनियादी संख्यात्मक दक्षता [Basic Numerical Efficiency]

1

गणितीय संक्रियाएँ [Mathematical Operations]

- ❖ सरलीकरण एक गणितीय अभिव्यक्ति को समकक्ष अभिव्यक्ति से बदलने की प्रक्रिया है, जो सरल अथवा सामान्यतः छोटी होती है।
- ❖ सरलीकरण के अन्तर्गत गणितीय संक्रियाओं जैसे - जोड़ (+), घटाव (-), गुणा (×), भाग (÷) आदि को BODMAS क्रम के आधार पर हल किया जाता है जिससे दिए गए व्यंजक का मान प्राप्त किया जाता है।
- ❖ कोष्ठक चार प्रकार के होते हैं— दण्ड कोष्ठक '—', छोटा कोष्ठक '()', मंजला कोष्ठक '{ }' एवं बड़ा कोष्ठक '[]'। इन्हें इसी क्रम में हल किया जाता है।
- ❖ कोष्ठकों को इसी क्रम में हल करते हैं यदि कोष्ठक के पहले ऋण चिह्न हो, तो प्रश्न को हल करने पर अन्दर के सभी चिह्न बदल जाते हैं अर्थात् चिह्न ऋणात्मक हो जाते हैं।

BODMAS नियम :

- ❖ अंकगणित में गणितीय संक्रियाएँ जैसे-जोड़, घटाव, गुणा, भाग करने हेतु यह नियम निर्धारित किया गया है।
- ❖ जब एक ही व्यंजक में उक्त सभी संक्रियाएँ सम्पन्न करनी होती हैं तो उन्हें जिस क्रम में हल किया जाना चाहिए, वह 'BODMAS' नियम द्वारा निर्धारित होता है।
V – Vinculum (Bar Bracket) (बार/दण्ड कोष्ठक)
B – Brackets (कोष्ठक) O – of (का, के, की)
D – Division (भाग) M – Multiplication (गुणा)
A – Addition (जोड़) S – Subtraction (घटाव)
- ❖ इस नियम के अनुसार सबसे पहले ऊपर की रेखा 'दण्ड कोष्ठक' (Vinculum or Bar) को हल करते हैं।
- ❖ उसके बाद 'छोटा कोष्ठक' () तथा अन्य कोष्ठकों को, उसके बाद 'का' (Of) को हल करते हैं फिर भाजन (Divide), गुणन (Multiple) तथा उसके बाद योग (Addition) को हल करते हैं।
- ❖ सबसे अन्त में घटाव या बाकी (Subtraction) को सरल किया जाता है। यही 'BODMAS' का नियम है।

बीजीय सर्वसमिकाएँ (Algebraic Identities)

- ❖ बीजीय सर्वसमिका एक बीजीय समीकरण होती है जो कि चरों के सभी मानों के लिए सत्य होती है।

महत्वपूर्ण सूत्र (Important Formula):

- ❖ $xa + xb + xc = x(a + b + c)$
- ❖ $(a + b)^2 = a^2 + b^2 + 2ab$
- ❖ $(a - b)^2 = a^2 + b^2 - 2ab$
- ❖ $(a + b)^2 = (a - b)^2 + 4ab$
- ❖ $(a - b)^2 = (a + b)^2 - 4ab$
- ❖ $a^2 - b^2 = (a + b)(a - b)$
- ❖ $(a + b)^3 = a^3 + b^3 + 3ab(a + b)$
- ❖ $(a - b)^3 = a^3 - b^3 - 3ab(a - b)$
- ❖ $a^3 - b^3 = (a - b)(a^2 + b^2 + ab)$
- ❖ $a^3 + b^3 = (a + b)(a^2 + b^2 - ab)$
- ❖ $(x + a)(x + b) = x^2 + (a + b)x + ab$
- ❖ $(a + b + c)^2 = a^2 + b^2 + c^2 + 2(ab + bc + ca)$ या $(a + b + c)^2 = a^2 + b^2 + c^2 + 2ab + 2bc + 2ca$
- ❖ $a^3 + b^3 + c^3 - 3abc = (a + b + c)(a^2 + b^2 + c^2 - ab - bc - ca)$
- ❖ यदि $a + b + c = 0$ तो $a^3 + b^3 + c^3 = 3abc$
- ❖ $\left(x + \frac{1}{x}\right)^2 = x^2 + \frac{1}{x^2} + 2$
- ❖ $\left(x - \frac{1}{x}\right)^2 = x^2 + \frac{1}{x^2} - 2$
- ❖ $\left(x + \frac{1}{x}\right)^2 = \left(x - \frac{1}{x}\right)^2 + 4$
- ❖ $\left(x - \frac{1}{x}\right)^2 = \left(x + \frac{1}{x}\right)^2 - 4$
- ❖ $\left(x + \frac{1}{x}\right)^3 = x^3 + \frac{1}{x^3} + 3\left(x + \frac{1}{x}\right)$
- ❖ $\left(x - \frac{1}{x}\right)^3 = x^3 - \frac{1}{x^3} - 3\left(x - \frac{1}{x}\right)$

Patwar / RSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर

1. $\frac{(7 + 7 + 7) \div 7}{5 + 5 + 5 \div 5} = ?$ [Patwar (24-10-2021) Shift-IV]

- (A) 1 (B) $\frac{11}{5}$ (C) $\frac{16}{21}$ (D) $\frac{3}{11}$ [D]

व्याख्या—

$$\frac{(7 + 7 + 7) \div 7}{5 + 5 + 5 \div 5} = \frac{21 \div 7}{5 + 5 + 1} = \frac{3}{11}$$

2. $0.5 \times 0.5 + 0.5 \div 5 = ?$ [Patwar (24-10-2021) Shift-IV]
(A) 0.45 (B) 0.35 (C) 0.15 (D) 0.25 [B]

व्याख्या— $0.5 \times 0.5 + 0.5 \div 5$

BODMAS नियम से

$$= 0.5 \times 0.5 + 0.1$$

$$= 0.25 + 0.1 = 0.35$$

3. $\frac{69 - 14 \times 3 + 2}{9 \times 5 - (5)^2} = ?$ [Patwar (24-10-2021) Shift-III]

$$8 \text{ संख्या का औसत} = \frac{146}{8} = 18.25$$

57. एक कक्षा की आठ लड़कियों की औसत आयु y वर्ष है। $y + 3$, $y - 6$, $y + 15$, $y + 8$, और $y + 6$ आयु (वर्ष में) वाली 5 नई लड़कियाँ कक्षा में शामिल होती हैं। अब कक्षा की लड़कियों की औसत आयु कितनी है?

- (A) $(y + 3)$ वर्ष (B) $(y + 6)$ वर्ष
(C) $(y + 1)$ वर्ष (D) $(y + 2)$ वर्ष [D]

व्याख्या—आठ लड़कियों की कुल आयु = $8y$

$$5 \text{ नई लड़कियों के शामिल होने के बाद कुल आयु} \\ = 8y + (y + 3) + (y - 6) + (y + 15) + (y + 8) + (y + 6) \\ = 13y + 26$$

$$\text{नया औसत} = \frac{13y + 26}{13} = (y + 2) \text{ वर्ष}$$

58. 40 अधिकारियों वाले कार्यालय में, क्लास-A, क्लास-B और क्लास-C के अधिकारियों का औसत वेतन क्रमशः ₹600, ₹750 और ₹1,000 प्रतिदिन है। कार्यालय में क्लास-A, क्लास-B, और क्लास-C के अधिकारियों की संख्या क्रमशः 5 : 4 : 1 के अनुपात में है। यदि अधिकारियों की कुल संख्या 40 है, तो सभी अधिकारियों का मासिक औसत वेतन (₹ में) ज्ञात कीजिए। (मान लीजिए कि उस महीने में दिनों की संख्या 30 है।)

- (A) 25,800 (B) 24,030
(C) 24,600 (D) 21,000 [D]

व्याख्या—कुल अधिकारियों की संख्या = 40

$$\text{क्लास A का मासिक वेतन} = \frac{40}{(5+4+1)} \times 600 \times 30 \times 5 \\ = \frac{40}{10} \times 600 \times 30 \times 5 = 360000$$

$$\text{क्लास B का मासिक वेतन} = \frac{40}{(5+4+1)} \times 1 \times 750 \times 30 \\ = 4 \times 4 \times 30 \times 750 = 360000$$

$$\text{क्लास C का मासिक वेतन} = \frac{40}{(5+4+1)} \times 4 \times 1000 \times 30 \\ = 4 \times 1 \times 30000 = 120000$$

$$\text{औसत वेतन} = \frac{360000 + 360000 + 120000}{40} \\ = \frac{840000}{40} = 21000$$

59. एक कक्षा के 17 छात्रों का औसत भार 56 kg है। 3 नए छात्र जिनके भार क्रमशः 57, 62 और 68 kg हैं, कक्षा में शामिल होते

हैं। कक्षा के छात्रों का नया औसत भार ज्ञात कीजिए।

- (A) 56.95 kg (B) 58.05 kg
(C) 56.45 kg (D) 57.65 kg [A]

व्याख्या—कक्षा के 17 छात्रों का औसत भार = $17 \times 56 = 952 \text{ kg}$
3 नए छात्रों के भार = $57 + 62 + 68 = 187 \text{ kg}$

$$\text{नया औसत} = \frac{952 + 187}{17 + 3} = \frac{1139}{20} = 56.95 \text{ किग्रा}$$

60. चार क्रमागत विषम संख्याओं का औसत 8 है। यदि इनमें अगली विषम संख्या को भी शामिल कर लिया जाए तो इन पाँचों संख्याओं का नया औसत क्या होगा?

- (A) 7 (B) 10 (C) 11 (D) 9 [D]

व्याख्या—माना चार विषम क्रमागत संख्याएँ x , $x+2$, $x+4$, $x+6$ है—

$$x + (x+2) + (x+4) + (x+6) = 8 \times 4 \\ 4x + 12 = 32 \\ x + 3 = 8 \\ x = 5$$

अतः संख्याएँ 5, 7, 9, 11 है।

अगली विषम संख्या 13 को शामिल करने पर नया औसत

$$= \frac{5 + 7 + 9 + 11 + 13}{5} = \frac{45}{5} = 9$$

61. 5 छात्रों के औसत अंक 85 हैं। यदि एक नये छात्र के अंकों को भी उनमें शामिल कर लिया जाए, तो औसत अंक 84 हो जाते हैं। नये छात्र ने कितने अंक प्राप्त किए हैं?

- (A) 78 (B) 83 (C) 79 (D) 81 [C]

व्याख्या— 5 छात्रों के अंकों का योग = $85 \times 5 = 425$

$$\text{नये छात्र के आने पर औसत} = 84 \times 6 = 504$$

$$\text{नये छात्र का अंक} = 504 - 425 = 79$$

62. एक छात्रावास में 35 छात्र हैं। यदि छात्रों की संख्या 7 बढ़ा दी जाती है, तो भोजनालय का खर्च ₹42 प्रतिदिन के हिसाब से बढ़ जाता है, जबकि औसत खर्च प्रति छात्र 1 रु. कम हो जाता है। भोजनालय का पहले क्या खर्च था?

- (A) ₹210 (B) ₹420 (C) ₹620 (D) ₹850 [B]

व्याख्या— माना आरंभिक खर्च = x रु. है।

$$\text{तब, आरंभिक औसत खर्च} = \frac{x}{35}$$

$$\text{नया औसत खर्च} = \frac{x + 42}{42}$$

$$\Rightarrow \frac{x}{35} - \frac{x + 42}{42} = 1 \Rightarrow x = 420$$

$$\therefore \text{आरंभिक खर्च} = ₹420$$

बेसिक कम्प्यूटर [Basic Computer]

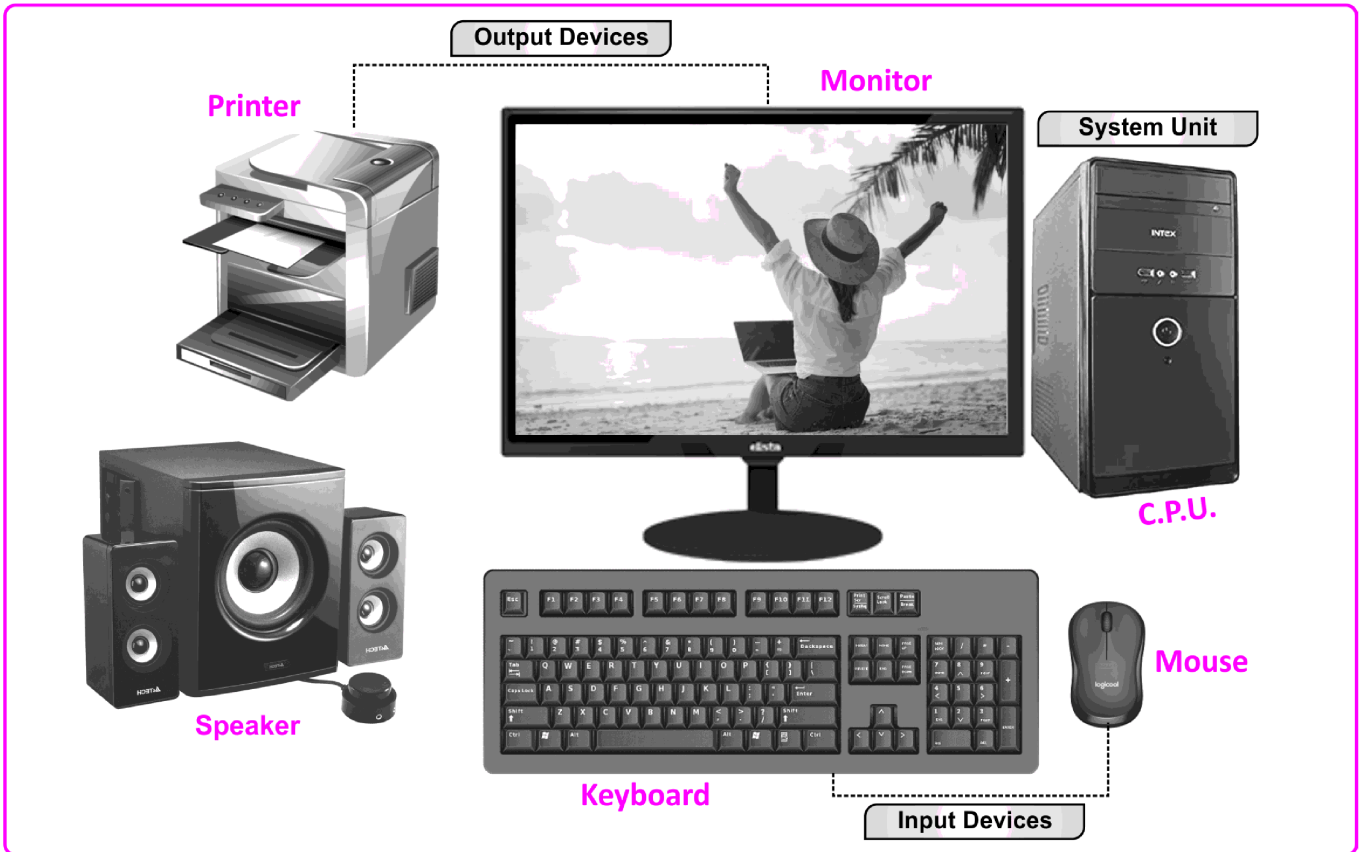
1

कम्प्यूटर : परिचय, विकास एवं कार्यप्रणाली [Computer : Introduction, Development & Working]

कम्प्यूटर का परिचय

(Introduction of Computer)

- ❖ Computer का शाब्दिक अर्थ 'गणना करने वाला' है।
- ❖ कम्प्यूटर (Computer) शब्द की उत्पत्ति अंग्रेजी भाषा के 'कम्प्यूट' (Compute) एवं लैटिन भाषा के 'कम्प्यूटेयर' (Computare) शब्द से हुई है। सामान्यतया दोनों शब्दों का सम्बन्ध गणना या गिनती करने से है।
- ❖ कम्प्यूटर को हिन्दी में संगणक या परिकलक अथवा अभिकलित्र कहा जाता है। इन सभी नामों का संबंध गणना करने से है।
- ❖ कम्प्यूटर (Computer) तीव्र रूप से गणना करने वाली स्वचालित इलेक्ट्रॉनिक मशीन है, जो यूजर द्वारा दिए गए इनपुट को प्रोसेस कर आउटपुट प्रदान करती है।



- ❖ कम्प्यूटर द्वारा अंकगणितीय एवं तार्किक गणनाएँ की जाती हैं। कम्प्यूटर में गणना करने की क्षमता के साथ तार्किक शक्ति एवं मेमोरी (स्टोरेज) होती है।

विश्व कम्प्यूटर साक्षरता दिवस (World Computer Literacy Day)

- ❖ एक व्यक्ति को कम्प्यूटर साक्षर कहा जाता है जब वह आवश्यक एप्लिकेशन्स को चलाने में सक्षम हो।

- ❖ विश्व कम्प्यूटर साक्षरता दिवस प्रत्येक वर्ष 2 दिसम्बर को मनाया जाता है। इस दिवस की शुरुआत 2 दिसम्बर 2001 से हुई।

- ❖ यह दिवस डिजिटल साक्षरता (Digital Literacy) एवं कम्प्यूटर कौशल (Computer skills) को बढ़ावा देने हेतु मनाया जाता है।
- ❖ कम्प्यूटर साक्षरता को डिजिटल साक्षरता (Digital Literacy) भी कहा जाता है।

- ✦ पैकमेन, कम्प्यूटर खेल के क्षेत्र में प्रयुक्त होता है।
- ✦ टेबुलेटिंग मशीन का आविष्कार **हर्मन होलेरिथ** द्वारा किया गया।
- ✦ सूचना प्रौद्योगिकी में विशेष स्थान रखने के कारण बैंगलुरु को **भारत की सिलिकॉन वैली** या **भारत की आईटी राजधानी** कहा जाता है।
- ✦ विश्व का **पहला लैपटॉप कम्प्यूटर इप्सन (EPSON)** द्वारा बाजार में उतारा गया।
- ✦ आधुनिक कम्प्यूटर में **द्विआधारी अंक प्रणाली (Binary Number System)** का प्रयोग होता है। Binary Number System में दो अंकों केवल 0 एवं 1 का प्रयोग होता है।
- ✦ माइक्रोप्रोसेसर को **माइक्रोचिप** भी कहा जाता है।
- ✦ पॉमटॉप (Palmtop) को **मिनीलैपटॉप (Mini Laptop)** भी कहा जाता है।
- ✦ दुनिया का प्रथम माइक्रो कम्प्यूटर **अल्टेयर 8800 (Altair 8800)** है।
- ✦ **PDA (Personal Digital Assistant)** पोर्टेबल प्रकार के कम्प्यूटर होते हैं।
- ✦ पंचकार्ड की ग्यारहवीं पंक्ति **एक्स पंच (X Punch)** कहलाती है।
- ✦ **पहला कम्प्यूटर आर्किटेक्चर** 1948 में **जॉन वॉन न्यूमैन** द्वारा प्रस्तुत किया गया।
- ✦ **प्रोग्रामेबल कम्प्यूटर की अवधारणा चार्ल्स बैबेज** द्वारा दी गयी।
- ✦ दुनिया का पहला विद्युत एवं यांत्रिक प्रकार का कम्प्यूटर **MARK-I, IBM** के सहयोग से **हॉवर्ड आइकेन** द्वारा बनाया गया।
- ✦ 1924 में अमेरिका में कम्प्यूटर बनाने वाली **सबसे पहली कम्पनी** की स्थापना **हुई**, जिसका नाम **IBM (इंटरनेशनल बिजनेस मशीन) कॉर्पोरेशन** था।
- ✦ कम्प्यूटर को **कृत्रिम बुद्धि** की संज्ञा दी गयी है, एवं इसकी **बुद्धिमत्ता का स्तर शून्य** होता है।
- ✦ जो निर्देशों को आसानी से समझ लेता है उसे **यूजर फ्रेंडली** कहते हैं।
- ✦ कम्प्यूटर पर जानकारी **डिजिटल डाटा** के रूप में स्टोर की जाती है।

Patwar / RSB की विगत भर्ती परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नोत्तर

1. निम्न में से कौन-सी कम्प्यूटर की अभिलाक्षणिकता/एँ है/हैं?

- (A) परिश्रमिता (B) बहुमुखी
(C) सटीकता (D) ये सभी [D]

व्याख्या—कम्प्यूटर एक Automatic Electronic Machine है जो गणना, शिक्षा, अनुसंधान, चिकित्सा आदि हेतु प्रयुक्त होती है। कम्प्यूटर की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं—

- ✦ **Reliability (विश्वसनीयता)**—कम्प्यूटर अपने कार्यों को लगातार एवं बिना किसी विफलता के करता है, इस पर लंबे समय तक विश्वास किया जा सकता है इसलिए इसे **Reliable Machine** भी कहा जाता है।
- ✦ **Automatic (स्वचालित)**—User जब instructions निर्देशों को एक बार कम्प्यूटर में फीड कर देता है, उसके बाद आउटपुट प्रदर्शित करने की प्रक्रिया (Automatic) होती है। इससे मानव श्रम एवं समय की बचत होती है।
- ✦ **Diligence (कर्मठता)**—कम्प्यूटर कार्य करते-करते कभी थकता नहीं है। ये निरन्तर रूप से समान एकाग्रता एवं गति से कार्य करता है।
- ✦ **Accuracy (सटीकता)**—कम्प्यूटर द्वारा किया जाने वाला कार्य या कैलकुलेशन 100% त्रुटिहीन अर्थात् पूर्णतः परिशुद्ध होता है बशर्ते यूजर द्वारा इनपुट या निर्देश सही दिए गए हों।
- ✦ **Versatility (सार्वभौमिकता)**—कम्प्यूटर का प्रयोग आजकल सभी क्षेत्रों जैसे—शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यवसाय, मनोरंजन, अनुसंधान आदि में किया जाता है। कम्प्यूटर का **अनेक क्षेत्रों में उपयोग का गुण वर्सेटिलिटी** कहलाता है।

2. जब एक बार आप उपयुक्त प्रोग्राम और जरूरी डेटा उपलब्ध करा देते हैं, तो कम्प्यूटर को इंसानी हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं होती। यह लक्षण कहलाता है—

- (A) एक्यूरेसी (B) रिलायबिलिटी
(C) वर्सेटिलिटी (D) ऑटोमैटिक [D]

व्याख्या—कम्प्यूटर एक Automatic Electronic Machine है जो गणना, शिक्षा, अनुसंधान, चिकित्सा आदि हेतु प्रयुक्त होती है। User जब instructions निर्देशों को एक बार कम्प्यूटर में फीड कर देता है, उसके बाद आउटपुट प्रदर्शित करने की प्रक्रिया Automatic होती है। इससे मानव श्रम एवं समय की बचत होती है।

3. डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने हेतु विश्व कम्प्यूटर साक्षरता दिवस प्रतिवर्ष कब मनाया जाता है?

- (A) 2 दिसम्बर (B) 5 जुलाई
(C) 15 नवम्बर (D) 2 नवम्बर [A]

4. संगणक की संकल्पना में दुनिया का प्रथम गणक यन्त्र है—

- (A) परम (B) एनियम (C) मार्क-I (D) अबेकस [D]

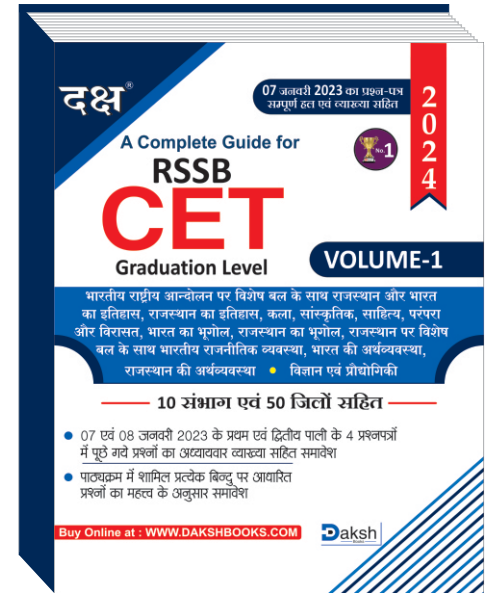
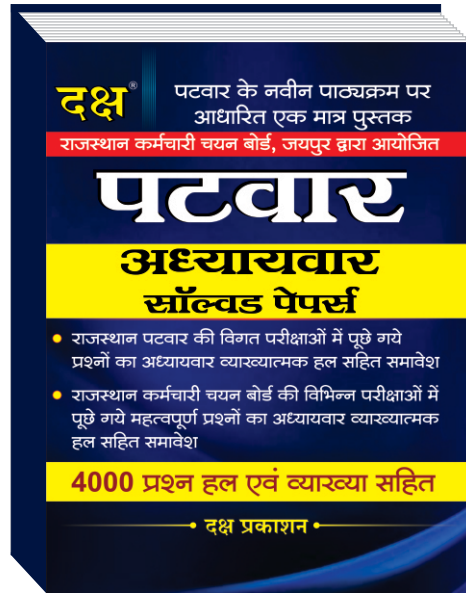
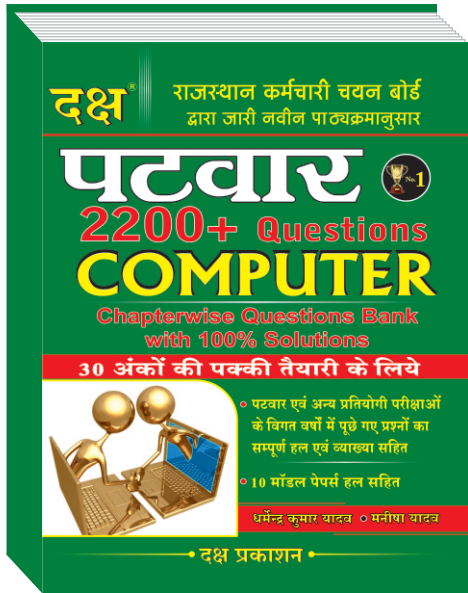
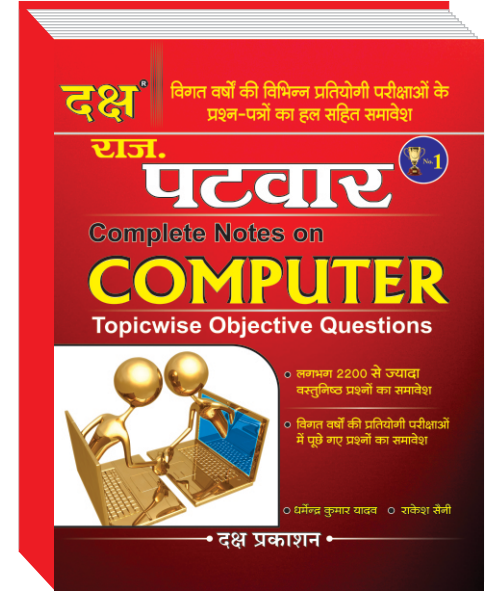
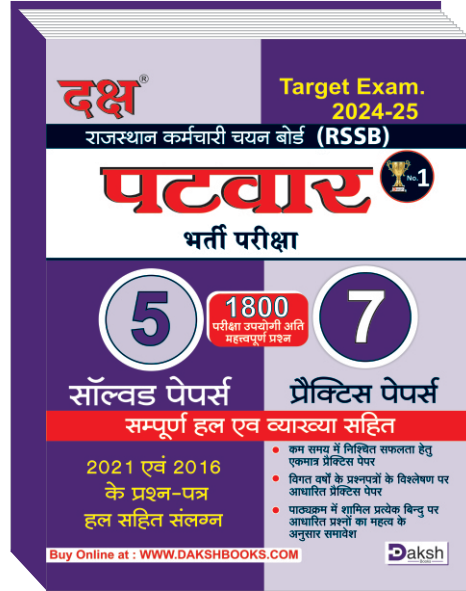
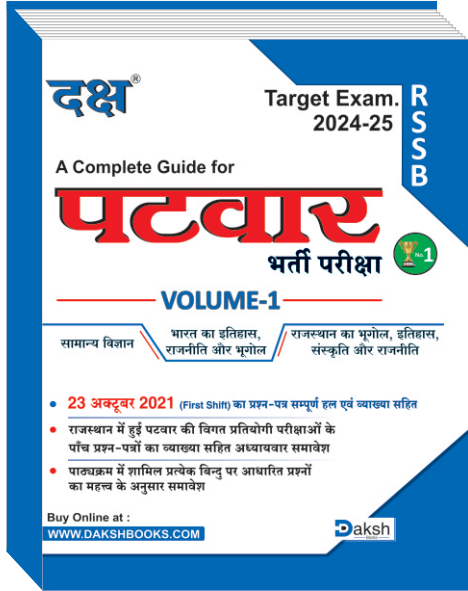
5. फ्रान्स के गणितज्ञ ब्लेज पास्कल ने यांत्रिक गणना मशीन "पास्कलाइन" का आविष्कार किया, मशीन को किस अन्य नाम से जाना जाता है?

- (A) सेल्फ मशीन (B) एडिंग मशीन
(C) डिवाइड मशीन (D) सेंसस मशीन [B]

6. कम्प्यूटर के पीढ़ीगत विकास में प्रयुक्त उदाहरणों से पीढ़ियों की सम्बन्धता हेतु सुमेलित विकल्प का चयन करें—

- | कम्प्यूटर | पीढ़ीयाँ |
|----------------------------|--------------------------------|
| (a) ENIAC | (i) द्वितीय |
| (b) IBM 1401 | (ii) चतुर्थ |
| (c) CRAY-I | (iii) पंचम |
| (d) Laptop | (iv) प्रथम |
| (A) a-i, b-ii, c-iii, d-iv | (B) a-iv, b-i, c-iii, d-ii |
| (C) a-iv, b-i, c-ii, d-iii | (D) a-iv, b-ii, c-i, d-iii [C] |

दक्ष की पुस्तकें Online Order करने के लिए www.dakshbooks.com पर जायें



दक्ष प्रकाशन

(A Unit of College Book Centre)

A-19 सेठी कॉलोनी, जयपुर (राज.)

फोन नं. 0141-2604302

Code No. D-775

₹ 680/-

इस पुस्तक को ONLINE खरीदने हेतु

WWW.DAKSHBOOKS.COM

पर ORDER करें

★ SPECIAL DISCOUNT + FREE DELIVERY ★